बरसात से थमी दिल्ली की रफ्तार...

गर्मी से राहत पाने के लिए अक्सर लोग मानसून समय पर आने की दुआ करते हैं, लेकिन मात्र कुछ ही घंटों की बरसात दिल्ली की रफ्तार थामने के लिए काफी है। राजधानी में शुक्रवार तड़के से जारी बरसात ने शनिवार को यातायात व्यवस्था को पूरी तरह से ठप कर दिया। वहीं तीनों एमसीडी और दिल्ली सरकार के दावों की कलई खोलकर रख दी। हर बार बरसात से पहले नगर निगम और लोक निर्माण विभाग बरसाती नालों की सफाई करने का दावा करते हैं, लेकिन सभी दावे खोखले साबित हो गए। सड़कों पर वाहन जहां रेंग-रेंगकर चले, वहीं घर से दफ्तर के लिए निकले लोग देर से पहुंचे या फिर वापस घर को चल दिए। आलम यह रहा कि बरसात थमने के बावजूद मुख्य मार्गों पर जलभराव कम नहीं हुआ और यातायात पुलिसकर्मी जाम खुलवाने के लिए दो-दो हाथ करते दिखाई दिए। यह वही दिल्ली है जिसे विदेशी शहरों की तर्ज पर सुधारने का समय-समय पर राजनेता शगूफा छोड़ते रहते हैं। शनिवार को दिल्ली के जाम नगरी बनने पर पेश है पंजाब केसरी की विशेष रिपोर्ट...

राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश के बाद यातायात व्यवस्था चरमरा गई। बरसात के पानी से लबालब भरी सड़कें नालों में तब्दील होने लगीं। सुबह जब लोग घरों से दफ्तर के लिए निकले तो उन्हें जगह-जगह जलभराव के कारण जाम में घंटों खड़े रहना पड़ा। इस कारण मिनटों का सफर घंटों में तय करना पड़ा। सड़कों पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी लाख प्रयास के बावजूद असहाय दिखाई दे रहे थे। दिल्ली में यह स्थिति उस समय बनी कि जब ट्रैफिक पुलिस अधिकारी मानसून से ठीक एक महीने पहले ही ऐसे हालात बनने की आशंका जताते हुए सिविक एजेंसियों को अवगत करा चुके थे। अगर सिविक एजेंसियों ने ट्रैफिक पुलिस की सलाह मानी होती तो आज यह नौबत नहीं आती। संयुक्त पुलिस आयुक्त गरिमा भटनागर ने बताया कि एक महीने पहले दिल्ली की सिविक एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी। तभी ट्रैफिक पुलिस ने ईडीएमसी, एनडीएमसी और एसडीएमसी, पीडब्ल्यूडी तथा नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को बताया था कि दिल्ली में करीब 164 प्वाइंट्स ऐसे हैं, जहां जलभराव हो सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए इन एजेंसियों से आग्रह किया था कि वे इन प्वाइंटों पर विशेष निगरानी बरतें।

सुबह से ही जुट गए थे पुलिसकर्मी

गरिमा भटनागर ने बताया कि मूसलाधार बारिश को देखते हुए सभी रेंज के डीसीपी, एसीपी और टीआई को यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दे दिए गए थे। सुबह जलभराव और जाम वाले प्वाइंटों पर ज्यादा से ज्यादा ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया।

बड़े वाहन हटाने के लिए नहीं हैं क्रेन

यातायात पुलिस अधिकारियों के मुताबिक कुछ मुख्य मार्गों पर बारिश में गाड़ियां बंद हो गईं थीं। उन्हें हटाने के लिए सुबह से ही क्रेन लगा दी गई। लेकिन कुछ जगहों पर बड़ी गाड़ियों के बंद होने से ज्यादा दिक्कतें आईं। क्योंकि ट्रैफिक पुलिस के पास सिर्फ दो बड़ी क्रेन हैं। ऐसे में डीएमआरसी की बड़ी क्रेनों का सहयोग लिया गया। मोती बाग में डंपर खराब हो गया जिसे डीएमआरसी की क्रेन से हटाया गया।

थाने में भर गया बारिश का पानी

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा थाने में तैनात स्टॉफ को मानसून के दौरान खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल थाना सड़क के स्तर से करीब दो-तीन फुट नीचे है। बारिश होने पर नालों से पानी ओवरफ्लो होने के बाद थाने में भर जाता है। ऐसे में मोटर पंप चलाकर पानी निकाला जाता है। लेकिन कुछ जगहों पर पानी ठहरा रह जाता है।

बारिश में ठहर गया यमुनापार

बारिश के बाद यमुनापार में वाहनों की लम्बी कतारें देखने को मिलीं। कुछ जगहों पर जलभराव तो कुछ जगहों पर रेडलाइट खराब होने के कारण जाम लग गया। वजीराबाद रोड पर हरनाम पैलेस से नंद नगरी बस डिपो, खजूरी, नानकसर वजीराबाद रोड, उस्मानपुर पुस्ता रोड, शास्त्री पार्क तिराहा, सीलमपुर, विकास मार्ग, शकरपुर अंडरपास, पांडव नगर मदर डेयरी, आनंद विहार बस अड्डा, अक्षरधाम एनएच-24 और विकास मार्ग आदि स्थानों पर भारी जाम लगा रहा।

नगर निगम के इंतजाम हुए फुस्स

बरसात के पानी से दिल्ली में कहां-कहां लोगों की परेशानी बढ़ी उसके आंकड़े नगर निगम ने जारी किए हैं। एसडीएमसी के नजफगढ़ जोन में दो जगहों, वेस्ट जोन में 19, साउथ जोन में 23 और सेंट्रल जोन में सबसे ज्यादा 47 स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी रही। रंगपुरी गांव, नेब सराय, मदनगीर और मालवीय नगर प्रमुख रूप से प्रभावित रहे। ईडीसीडी के शाहदरा नॉर्थ जोन में 3 और साउथ जोन में 9 जगहों पर पानी भरा। यहां करावल नगर और अक्षरधाम के पास बारिश से जलभराव हुआ। एनडीएमसी में सदर बाजार, कीर्ति नगर, वेस्ट पटेल नगर, मानसरोवर गार्डन, पश्चिम विहार, रोहिणी सेक्टर-15, जहांगीरपुरी, नांगलोई और मुंडका में जलभराव रहा। यहां नरेला जोन में जलभराव की कोई रिपोर्ट नहीं है, जबकि सदर-पहाड़गंज जोन में दो जगहों (प्रताप मार्केट, सदर बाजार और क्रॉकरी मार्केट), करोल बाग जोन में 5, सिविल लाइन जोन से 6 और रोहिणी जोन में 4 जगहों पर जलभराव की रिपोर्ट दर्ज की गई।

पेड़ और इमारत भी गिरी

एसडीएमसी इलाके में 10 जगहों पर पेड़ गिरे, जबकि नजफगढ़ जोन में सैनिक इंक्लेव व चिराग दिल्ली में बिल्डिंग का हिस्सा गिरा। एनडीएमसी के वेस्ट पटेल नगर, कॉलोनी इंद्रपुरी, मानसरोवर गार्डन, रोहिणी सेक्टर-9, वेस्ट शालीमार बाग में पेड़ गिरने की रिपोर्ट आई है। वहीं भलस्वा, पीतमपुरा, वजीराबाद और चांदनी चौक इलाके में एक बिल्डिंग का हिस्सा गिरा। ईडीएमसी में करावल नगर और विश्वास नगर में पेड़ और बिल्डिंग का हिस्सा गिरा।

एसडीएमसी के मेयर भी फंसे जाम में

बरसात में आम लोगों को फंसते हुए तो आप लोगों ने कई बार देखा होगा। शनिवार को बारिश के पानी और उसके बाद लगे जाम में साउथ दिल्ली मेयर श्याम शर्मा ही फंस गए।

मेयर को छतरपुर स्थित एक वार्ड में एक सड़क के उद्घाटन के लिए जाना था। सड़क पर पानी भरने से वे कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच सके। हालात को देखते हुए मेयर ने मौके पर नगर निगम के कर्मचारियों को बुलाया और अपने सामने जमा पानी को निकलवाया। मेयर ने केजरीवाल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बरसात ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है।

एसडीएमसी के मेयर श्याम शर्मा सुबह करीब 6:30 बजे अपने निवास स्थान प्रताप नगर से निकले और उन्हें छतरपुर पहुंचना था। इस दौरान रास्ते में राजा गार्डन से लेकर तिलक नगर, दिल्ली कैंट, क्रीबी पैलेस से रिज रोड होते हुए नारायणा से लेकर धौला कुआं में उन्हें जाम मिला। यहां से मेयर ने मोती बाग, भीकाजीकामा प्लेस, कोटला मुबारकपुर रूट लिया, लेकिन वहां भी सड़कों पर ओवलफ्लो पानी और जाम ने मेयर को फंसा दिया।

रूट को एक बार फिर बदलते हुए मेयर का काफिला लाजपत नगर से आईआईटी गेट तक पहुंचा। यहां करीब डेढ़ घंटे से अधिक जाम में फंसे रहने के बाद मेयर को रास्ता मिल सका। मेयर शर्मा ने यहां से छतरपुर जाने के लिए दिल्ली हवाई अड्डा, आरकेपुरम रूट पकड़ा, लेकिन यहां भी जलभराव के कारण उनकी गाड़ी रफ्तार नहीं पकड़ सकी।

सुबह से लेकर दोपहर तक लगातार मिल रहे जाम और सड़कों पर भरा पानी देखते हुए मेयर के सब्र का बांध टूट गया। इसके बाद उन्होंने नजफगढ़ और नवादा का दौरा किया। इस दौरान उन्हें जो भी सड़कें पानी से भरी हुई मिली। वहां उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को तलब किया।

जाम में फंसने और सड़कों के हाल पर जब मेयर शर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वह छतरपुर एक कार्यक्रम में नहीं जा सके। सभी सड़कों का बुरा हाल मिला।

अंडरपास हुए फेल

शुक्रवार की रात आई बरसात के बाद दक्षिणी दिल्ली के महरौली-बदरपुर रोड स्थित पुल प्रहलादपुर अंडरपास और सरिता विहार स्थित अंडरपास से यातायात का आवागमन बंद हो गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पुल प्रहलादपुर इलाके में थोड़ी बरसात ही अंडरपास को अवरुद्ध करने के लिए काफी है। इस वजह से न केवल जैतपुर, मीठापुर, मोलड़बंद, बदरपुर या बल्कि फरीदाबाद की ओर से महरौली-बदरपुर मार्ग पर जाने वाले लोगों को

असुविधा का सामना करना पड़ा। अंडरपास के नीचे गाड़ी डूबने जितना जलभराव हो गया। इस वजह से महरौली की ओर से आने वाले वाहन चालक भी बदरपुर नहीं पहुंच सके। इन लोगों को सूरजकुंड के रास्ते लंबा घूमकर बदरपुर या दूसरे इलाकों में जाना पड़ा। यही नजारा सरिता विहार अंडरपास पर देखने को मिला। यहां भी वाहन चालक जलभराव के कारण रास्ता पार करने की हिम्मत नहीं जुटा सके। इस वजह से ओखला की ओर से नोएडा आने-जाने वालों को कालकाजी से घूमकर आना पड़ा। दरअसल सरिता विहार अंडरपास शुरू होने के बाद से गुड़गांव से नोएडा आने-जाने वाले लोग महरौली-बदरपुर रोड का इस्तेमाल करने की बजाए ओखला से सीधे सरिता विहार होकर नोएडा निकल जाते हैं। इस कारण महरौली-बदरपुर रोड के अलावा, रविदास मार्ग और मां आनंदमयी मार्ग पर भी घंटों लंबा जाम लगा रहा। ओखला गोल चक्कर से लेकर, सी-लाल चौक गोविंदपुरी और कालकाजी मंदिर, नेहरू प्लेस तक वाहन रेंग-रेंग कर चले। शनिवार की शाम तक भी इन दोनों अंडरपास पर यातायात सामान्य नहीं हो सका।

बारिश ने उधेड़कर रख दी सड़क की परतें

सड़कों के निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल की शिकायतें अक्सर आती रहती हैं, लेकिन इनकी कलई बरसात में खुलती है। सड़कों पर हुए बड़े-बड़े गड्ढे अपनी सचाई बयान कर रहे हैं। बारिश के दिनों में सड़कों पर पड़े गड्ढे न केवल वाहन चालक, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए भी परेशानी का सबब बन गया। शनिवार की सुबह हुई बरसात ने एक बार फिर से सड़कों को छलनी करके रख दिया। नगर निगम और सरकार के दावों की पोल खुल गई। पूर्वी दिल्ली के करावल नगर, मुस्तफाबाद और यमुना विहार आदि इलाकों में सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई। इन सड़कों से गुजरना वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। यही नहीं पैदल चलने वालों के लिए भी सड़क से निकलना दूभर हो चुका है। रात के समय सड़क पर हुए गड्ढे कभी भी किसी राहगीर को मुसीबत में डाल सकते हैं।

मार्केट में जलभराव से पिटी दुकानदारी

तेज बारिश से यमुनापार के बड़े बाजारों का हाल भी बेहाल हो गया। इन बाजारों में लाल क्वार्टर, लक्ष्मी नगर, शकरपुर, जगतपुरी, गाजीपुर मंडी, गीता कॉलोनी मुख्य मार्ग शामिल हैं। हैरान कर देने वाली बात यह है कि महज कुछ ही दिन पहले निगम पार्षदों द्वारा इन बाजारों के सीवरों से गाद निकलवाई गई थी। बावजूद इसके इन बाजारों में बारिश का पानी लबालब भर गया।

लक्ष्मी नगर बाजार स्थित दुकानदार जीतू कुमार ने बताया कि तेज बारिश और फिर जलभराव से पूरे दिन की दुकानदारी ठप हो गई। बाजार में जगह-जगह पानी भर गया। कई जगह तो पानी घुटनों तक भर गया जिससे पैदल निलकना भी दूभर हो गया। ऐसे में वाहन चालकों को भी खासी मशक्कत करनी पड़ी। गीता कॉलोनी की सड़क, जो पहले ही गड्ढों की समस्या से जूझ रही थी। इस कारण पूरे इलाके में लोगों को लंबे जाम से जूझना पड़ा। इस बारिश से वहां पानी तो भरा ही साथ ही दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है।

सड़कों पर फंसे रहे वाहन

मध्य दिल्ली के दरियागंज, दिल्ली गेट, तुर्कमान गेट और उसके आसपास के इलाकों में बारिश का पानी भरने से जहां पर पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दरियागंज चौक से लाल चौक मात्र दो किलोमीटर के रास्ते में कई जगह पर सड़कें टूटी होने से उनमें बारिश का पानी भर गया। इससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई और लंम्बा जाम लग गया। बारिश की वजह से दोपहिया वाहनों के इंजन में पानी भर जाने से भी वाहन चालक सड़कों पर वाहन को धक्का लगाते दिए गए। इसी तरह जगह-जगह कार में पानी घुस जाने से भी जाम लग गया। तुर्कमान गेट से लेकर दिल्ली गेट के बीच मेट्रो का काम चलने से भी यातायात परिचालन पर असर पड़ा। यही नहीं बाजार में पानी भरने से दुकानदारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

घरों में घुसा बरसात का पानी

बारिश में सबसे ज्यादा दिक्कत दफ्तर और स्कूल जाने वाले लोगों को हुई। मिनटों में सफर तय करने वाले लोगों ने घटों में अपना सफर पूरा किया। जगह-जगह जलभराव के चलते दक्षिणी दिल्ली के कई इलकों में ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही। सबसे ज्यादा परेशानी संगम विहार से लेकर खानपुर तक हुई। सड़क पर पानी इस कदर भर गया कि गाड़ी के टायर तक पानी में डूब गए। इस वजह से दफ्तर और स्कूल जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। शेख सराय में बारिश के कारण रेड लाइट खराब हो गई जिसके कारण काफी लंम्बा जाम लग गया। चिराग दिल्ली फ्लाईओवर के नीचे जलभराव होने से गाड़ियों की लम्बी कतारें लग गईं। चितरंजन पार्क इलाके में कई लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया। इससे लोगों का कीमती सामान खराब हो गया। बरसात का पानी निकलवाने के लिए पम्प की मदद लेनी पड़ी। चितरंजन पार्क निवासी समर्थ ने बताया कि लगातार तीन बार से हो रही बारिश से बी-ब्लॉक के अधिकांश घरों में पानी भर रहा है। इस बार पीडब्ल्यूडी की लापरवाही से बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस गया।

सड़क धंस गई और फंसे रहे वाहन

गर्मी से परेशान हो रहे दिल्ली वालों को मानसून ने राहत दी तो सरकार की बदइंतजामी ने इसे आफत में बदल दिया। आलम यह रहा कि मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद भी सरकार और नगर निगम सबक नहीं ले सके। यही वजह रही कि मानसून आने तक सड़कों पर पानी की पाइप लाइन, सीवर और फोन लाइन की मरम्मत के नाम पर खुदाई का काम जारी रहा। लेकिन बरसात में यह खुदाई परेशानी का कारण बन गई। बारिश से एक तो खुदाई के गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे हैं। वहीं अधूरे कार्यों की वजह से लोगों के लिए ये गड्ढे मौत का कारण भी बन सकते हैं।

दिल्ली में कहीं न कहीं सड़कें खुदी पड़ी हैं। सड़क की मरम्मत का कार्य सही ढंग से न होने पर परेशानी का कारण बन रहा है। बारिश के कारण अब यह सड़कें घंसने लगी हैं। इससे ट्रक, ट्रेक्टर, कारें और मोटरसाइकिलें तक फंस रही हैं। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार में एक सड़क पर गुजर रहा ट्रेक्टर भी फंस गया। सड़कों पर घंटों जाम भी लग रहा है। पैदल चलने वाले राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब इन गड्ढों में बरसात का पानी जमा होने से डेंगू के मच्छर पनपने का खतरा बढ़ रहा है।

छाया : हरिप्रकाश, सुभाष चोपड़ा, दयाशंकर, टीपू सुल्तान, वसीम सरवर व श्रेय गुप्ता

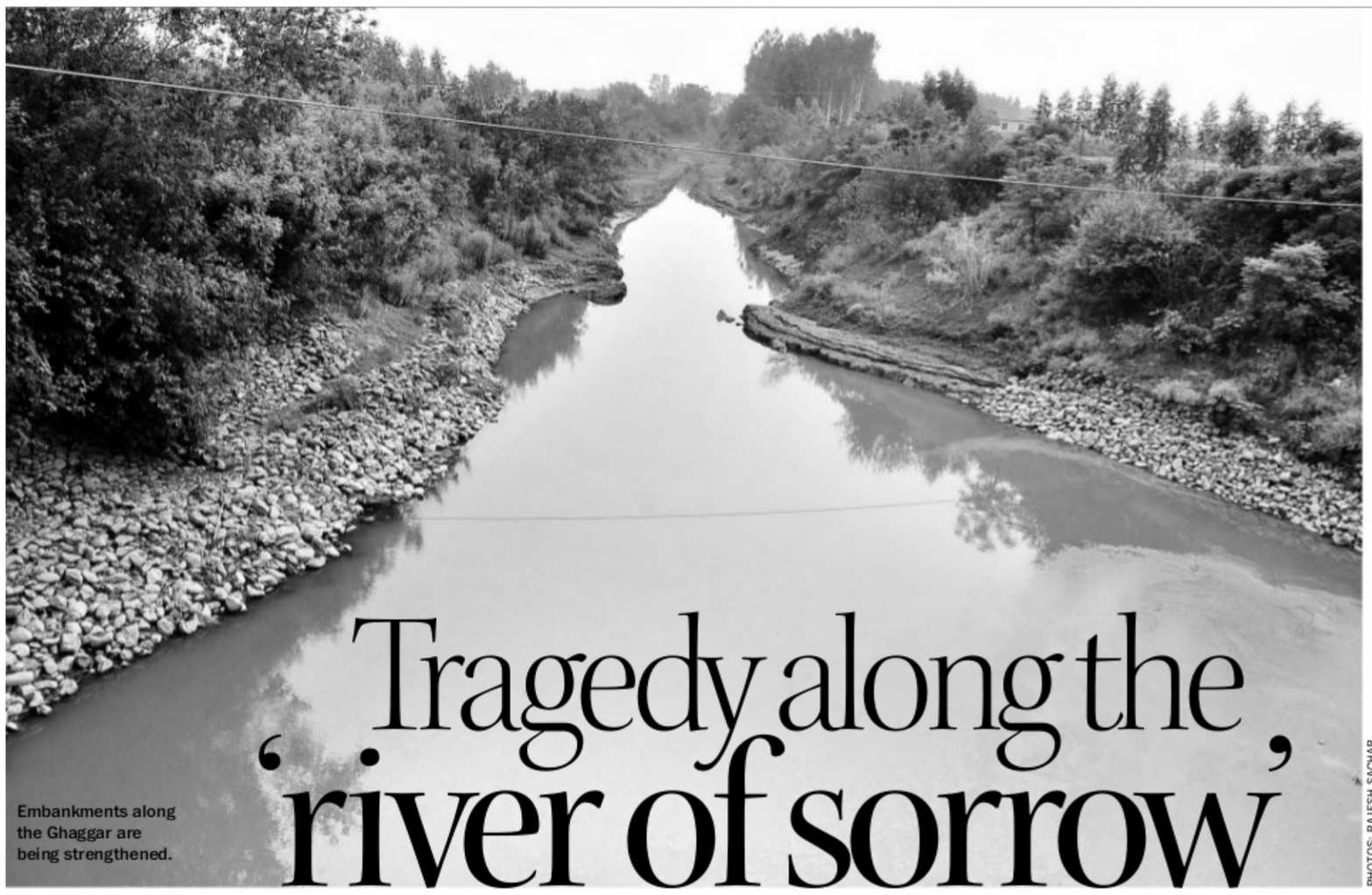

Embankments along the Ghaggar are being strengthened.

Tragedy along the 'river of sorrow'

Villagers near Patiala shift their belongings to the rooftop.

PHOTOS: RAJESH SACHAR

AMAN SOOD IN PATIALA
& SUSHIL MANAV IN CHANDIGARH

IT' s that time of the year again: Rani Kaur's family in village Lacchru is shifting to the first floor of their home. The kitchen moves to the first floor as the swollen Ghaggar's spillover gushes in, the kitchen is flooded and the ration is ruined. "This is the minimum we can do," says Rani.

Hundreds of villages dread the day the Ghaggar in spate crosses the Bhakhra Main Line (BML) canal through siphons at Khanauri in Punjab and the Bhakhra Main Branch (BMB) near Jakhal in Haryana. The river was considered a boon for the farmers of the area but has slowly become a death trap. Successive governments have failed to act. AK Gupta, engineer-in-chief in the Haryana Irrigation Department, says the Central Water Commission (CWC) has suggested a project that involves 25 barrages at various points in the two states where floodwater could be stored. "However, it involves funds as land needs to be acquired," Gupta says. Lack of coordination between Punjab and Haryana, who are often seen pointing an accusing finger at each other on water issues, is harming the interests of the people in both the states.

The situation has come to such a pass that villagers on the Punjab side keep the basement of their house vacant to minimize the flood damage. Some have raised their houses almost 10 feet above the ground. Shops too are especially designed to keep off the floodwater. And the villages near the banks complain of a pungent smell and saline water is unfit for irrigation.

"Despite precautions, flood causes enough damage", says Samana resident Harminder Singh. "Years ago our cattle were washed away. The authorities took a week to send help," says Harminder.

On its side, Haryana has tried to build a concrete wall to save its villages from a river that has brought people living along its 350-km length in the two states to their knees. "The Ghaggar basin gets frequently flooded because of a slope and the lack of horizontal drainage," says Kurukshetra University's Dr Jaglan.

Ghaggar's way

- Originating from the Shivalik hills of Himachal, the Ghaggar makes serpentine way from east to southwest though several districts of Punjab and Haryana to enter Rajasthan from where it travels on to Pakistan.
- Fatehabad & Sirsa are the worst affected by Ghaggar flood.
- Ghaggar enters Fatehabad as a deeply incised channel near Jakhal exits at Bira Badi, covering 70 km meandering course.
- The last time Ghaggar was in spate was in 2010 when large areas of Punjab & Haryana were affected.

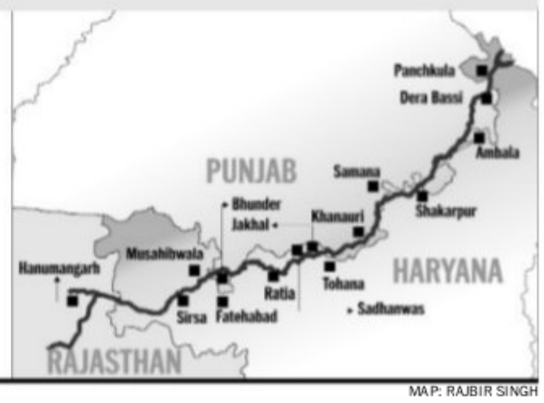

MAP: RAJBIR SINGH

No grooms, please!

The mismanagement has caused a social disruption too. Villagers in the Ghaggar catchment areas say they find problem in getting a match for their boys. "My brother got married when he was 38 years old. Offers of his marriage were declined for years because we live in a flood-affected area. We have 17-acre fertile land, but the girl's side was simply not interested as they argued about the safety and security of their girls. Finally we married him off in Chhattisgarh", says Baljeet Singh, from village Harchandpura, Patiala.

Patiala Deputy Commissioner C Ramvir Singh said: "Villages where grooms do not get brides are usually the ones that are almost next to the Ghaggar."

An irrigation department expert said with time the sheet spread of the river has badly shrunk due to illegal encroachments and digging. The land prices are very low. Even during the property boom in Punjab when average agriculture land in far-off villages fetched Rs 60-70 lakh per acre, these villages had their land available for a mere Rs10 lakhs.

Pollution trouble

The Ghaggar emerges from Sirmour hills in Himachal and receives sewage and industrial waste from various towns in Haryana before entering Punjab where it further gets more waste inflow. The river runs its 165km course as it enters the state at village Mubarikpur and leaves it at village Bhunder. The water quality at the river entry point monitored by Punjab Pollution Control Board during January, 2014 is Class D (almost worst). This is because of domestic and industrial discharge in Himachal and Haryana.

In Hashimpur Mangta village near Patiala, the Ghaggar flows just 80 metres away from the nearest houses and villagers allege that that throughout the year contaminated water continues to pollute the Ghaggar. "You can see how contaminants have spoiled the river," says a villager.

The PPCB officials say they have made arrangements to keep the river water pollution-free, a claim dismissed by villagers. "These officials should come here in the winters to see for themselves how difficult it is to breathe near the river," says Bhupinder Chatha, a villager in Dharmherhi.

THE HINDU

Published: July 18, 2016 00:00 IST | Updated: July 18, 2016 05:54 IST Dehradun, July 18, 2016

Monsoon gains momentum in Uttarakhand, U.P., Rajasthan

- Staff Reporter

Monsoon woes:Restoration work in progress after heavy landslide in Kumarkhera, Narendra Nagar district in Tehri, Uttrakhand and (right) a woman watches as her house gets inundated after heavy rain in Mathura on Sunday.– Photo: PTI

21 killed in rain-related incidents; major rivers including the Ganga, the Yamuna and their tributaries in spate; roads cut off

As heavy rain lashed Uttarakhand's Uttarkashi, Nainital, Tehri and Pauri districts since Saturday, 12 people have died in landslips and rain-related road accidents. While three persons died in road accidents in Nainital district on Saturday evening, the death toll reached 12 within two days of heavy rain across the State after three persons died in Pauri district's Srinagar as a vehicle fell into a gorge. Four persons died in Tehri district's Kumarkhera area after a jeep was trapped in a landslide, and two persons died when a tree fell on a building in Uttarkashi district's Barkot area.

As the rain continued to lash the State on Sunday, the roads, especially the ones leading to the Char Dham yatra including the Rishikesh-Badrinath national highway, and the Rishikesh-Kedarnath national highway between Sonprayag and Gaurikund, remained cut off due to landslips, which disrupted the yatra.

By Sunday evening, 442 roads, including few national highways and roads under the PMGSY, remained blocked. Several bridges across the State also got damaged in the heavy rain.

According to the State Disaster Management Department, a situation of threat loomed over Haridwar on Sunday as the river Ganga reached 293.2 metres against its danger mark of 294 m. Six teams of the Haridwar police and five rafts were kept ready in case of a mishap due to the rising water levels.

The Bhagirathi at Uttarkashi remained at 1121 m, like Saturday, which was 2m below its danger mark. And the Sharda at Champawat was flowing at 221.10 m, which was only 0.6 m below its danger mark.

According to the Dehradun Meteorological Centre, the weather would improve from Monday morning as the rainfall across the State would considerably reduce.

"Water levels have been reducing and the situation is under control. By Monday the situation will further improve as the rainfall across the State will reduce," Additional Secretary (Disaster Management) C. Ravishankar said.

PTI adds:

At least 21 people were killed in rain-related incidents in Uttarakhand, Uttar Pradesh, Rajasthan and Assam with monsoon gaining momentum in several parts of North and Northeast India.

Delhi received light rain, keeping the mercury within comfortable levels with the maximum temperature at 30.1 degrees Celsius, five notches below the normal.

According to the India Meteorological Department, 2.5 mm rainfall was recorded between 8.30 a.m. and 5.30 p.m. at Safdarjung observatory while weather stations at Lodhi Road, and Ridge recorded 2.6 mm and 0.6 mm rainfall respectively.

The minimum temperature was 26.4 degrees C, one notch below the normal and humidity level oscillated between 81 and 97 per cent in Delhi.

Several parts of U.P. received over 10 cm rainfall, even as the weather department predicted rain and thunder showers at many places in the State tomorrow.

Overnight showers have wreaked havoc in most parts Aligarh and Mathura with a large number of houses getting water-logged.

In Bijnor's Nahtor area, two sisters, aged 30 and 32 years, were killed after the roof of their house collapsed on them due to heavy rain.

A minor and a 40-year-old woman died in Muzaffarnagar and Mathura respectively due to house collapse. A 25-year-old man died in lightning-strike in Balrampur, while three persons were electrocuted in Aligarh after coming in contact with a live wire as they were trying to pump out rain waters from their house.

Widespread rain lashed Punjab and Haryana, causing mercury to dip by a few notches. Many places in Punjab including Patiala, Ludhiana received rains which dropped the temperature by several notches, giving relief to residents from the hot and humid conditions.

Rain also pounded many places in Haryana including Yamunanagar, Narwana, Hisar, Ambala, Karnal and Gurgaon.

In Assam, flood situation remained serious as one person died and nearly 1.77 lakh people were affected across seven districts in the State.

According to the Assam State Disaster Management Authority, one person was swept away in flood water at Narayanpur in Lakhimpur district.

The ASDMA spokesman said nearly 1.77 lakh people are hit by flood in 267 villages across Lakhimpur, Golaghat, Morigaon, Jorhat, Dhemaji, Biswanath and Sivasagar districts. Over 1,33,000 hectares of crop land are under water at this moment in the State.

An elderly woman and her minor grandson were killed when a portion of their house collapsed in Rajasthan's Karauli district due to heavy rainfall.

Heavy to very heavy rainfall has affected normal life in Karauli, where several people have been shifted to safer places by teams of district administration and police. - PTI

Printable version | Jul 18, 2016 4:09:27 PM | http://www.thehindu.com/news/national/other-states/monsoon-gains-momentum-in-uttarakhand-up-rajasthan/article8863607.ece

© The Hindu

Hindustan Times 19/7/10

Too many agencies, nobody accountable for rain misery

DELHI INUNDATED Multiplicity of agencies makes it impossible to fix responsibility for waterlogging

The lack of a fully developed sewer system plays a huge role in the waterlogging and flooding of roads during monsoon. S. BURMAULA/HT

Whose drain is it anyway? No end to blame game over waterlogged roads

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The continuous waterlogging and the traffic jams reported from across the city over the weekend has raised questions on the unplanned development and multiplicity of agencies which makes fixing responsibility impossible.

Waterlogging this time around is a bigger problem as rains are heavier than the last two years. Delhi should be prepared for worse as according to the weatherman, July and August will see heavy rains to the city.

The city wades in knee-deep water each year as too many agencies are tasked with keeping the water off the roads. This means that none of them is held accountable at the end of the day. The lack of a proper sewage system in 45% of Delhi and concertisation of footpaths adds to the problem.

"Storm water drains running along major roads have been concretised leaving no room for rainwater to seep into the ground," said a municipal official.

The lack of a fully developed sewer system also plays a huge role in the waterlogging and flooding of roads during monsoon.

"Due to the lack of a proper sewage system, the storm water drains now also carry sewage. Therefore desilting is not a one-time affair, rather has to be carried out repeatedly to ensure there is no water logging," said a municipal official.

Environmentalists have demanded only one body be made responsible for waterlogging in Delhi. Environment activist, Manoj Mishra wrote to the Delhi chief minister and L-G, demanding that all storm water drains in the city be managed by a single authority to fix accountability.

At present, the five national highways in the city, for example, fall under the National Highways Authority of India meaning it is this body that is responsible for developing the roads and their maintenance. It is also responsible for preventing waterlogging.

All roads over 60-feet wide fall under the Public Works Department.

In the unauthorised colonies and slums, several agencies including the Delhi Urban Shelter Improvement Board are responsible for development. This also means that there are areas that often see overlapping jurisdiction. "There are multiple drains which have overlapping jurisdiction. For example, a drain 10 km long may have two to three governing agencies, this leaves no scope of ascertaining responsibility," said a municipal official.

NEW DELHI: With the national capital battling waterlogging, senior leaders in the municipal corporations accused Delhi government of failing to get the city monsoon-ready.

Officials of the Delhi government, however, refuted the allegations and said that waterlogging was a result of the high volume of silt in the corporation-maintained drains.

Leader of the house, South Delhi Municipal Corporation (SDMC), Subhash Arya said the Public Works Department (PWD) is responsible for the flooding of the city roads.

"...The lax attitude and improper working of the Delhi government departments is the main reason why Delhi transforms into a puddle every year," said Arya.

Arya also questioned the preparedness of the Delhi government departments. "All major roads are with the Delhi government and by default, all major drains also. Rather than carrying out preparedness activities, the officials and ministers of the Delhi government have been politicising the issue," said Arya.

North Delhi mayor Sanjeev Nayyar also targeted the government. "All major roads and drains in the city fall under the jurisdiction of the PWD. The work on the drains has not been completed till date," said Nayyar.

Corporation officials, however, claimed they are prepared for rains in their areas. "We have already set up round-the-clock helpline centres. Also we have already completed desilting in all three municipal corporations..," said a municipal official.

Meanwhile, according to PWD officials, the problem persisted due to the flow of silt from the MCD drains, which are upstream of PWD drains.

"Despite claims of all the three municipal corporations, it was seen that a lot of silt was coming from the municipal corporation drains, thus reducing the capacity of the PWD drains, resulting in overflowing of the drains and causing waterlogging at many places," said a PWD official.

The official said the ongoing construction around Ring Road, Defence Colony, South Ex, Nehru Place, Sarai Kale Khan, Okhla junction, among others are locations which have been handed over to the DMRC for construction of phase 3 and 4 lines. "DMRC has not been maintaining these stretches properly, despite a lot of reminders from PWD," said the official.

STORY SO FAR

Delhi has received rains consistently over the past few days

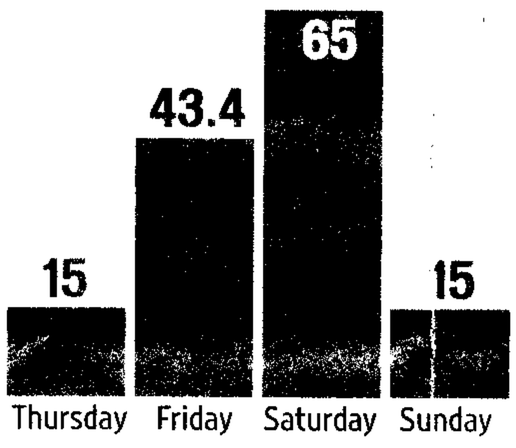

On Sunday, maximum temperature was 30.1 degrees Celsius, five degrees below normal. Minimum temperature was 26.4 degrees Celsius, a degree below normal

FORECAST – Light rain on Monday. Maximum and minimum temperature expected to be 32 and 26 degrees Celsius

Facing waterlogging, or jams, go for these tips and tide over your troubles

In case of water logging problems you can report the matter at the following helpline numbers

North MCD: 1266, 011-23220010,

East MCD: 155303

South MCD: 1266, 011-23220006

Delhi Government: 1077

For traffic snarls and info regarding vehicle breakdown follow @dtptraffic

To file complaints regarding traffic: 011-25844444

Check live traffic updates on Googlemaps

they

> The lax attitude and improper working of the govt departments is the main reason why Delhi transforms into a puddle every year.
>
> SUBHASH ARYA, SDMC

> All major roads and drains in the city fall under the jurisdiction of the PWD. The work on the drains has not been completed till date.
>
> SANJEEV NAYYAR, North MCD

Agencies pass buck as city goes under

RESIDENTS SUFFER Commuters stuck in jams near underpasses and low-lying areas, South Delhi worst hit

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Heavy rain led to waterlogging in most parts of the city, resulting in long traffic jams on Saturday. South Delhi was the worst hit with inundated roads and severe congestion even as maintaining agencies passed the buck.

Commuters were stuck in jams near underpasses and other low-lying areas such as Sangam Vihar. Traffic was thrown out of gear near AIIMS, IIT-Delhi, Ashram-DND flyway, Moolchand underpass, Jasola, Badarpur, Panchsheel, Yusuf Sarai, Adchini, South Extension and on Ring Road.

Under fire for failing to prepare for the monsoon, government and civic agencies passed the buck. At least 17 government agencies in Delhi maintain roads and drainage. Activists have been demanding that a single agency should manage the storm-water drains to fix responsibility.

"Fortunately, it was a weekend so the traffic was less. And the accumulated water on major stretches had reduced significantly during peak hours. Had it been a weekday, things would have been worse," said special commissioner of police (traffic), Sandeep Goel.

On Saturday, HT reported how the national Capital comes to a halt during monsoon every year, with knee-deep water on arterial roads.

Again as troubles mounted, the BJP-led municipal corporations and the public works department that is under the AAP government traded charges over the desilting of drains.

Leader of the House in South Delhi Municipal Corporation (SDMC), Subhash Arya, claimed they had cleaned all drains under their jurisdiction. He alleged the PWD didn't clean their drains.

"The PWD didn't desilt the bigger drains that fall under the jurisdiction. This caused waterlogging," he said.

In response, a government official said, "The city was waterlogged due to the silt flowing from the MCD drains into our drains.

"The three municipal corporations had claimed they had desilted the drains before the monsoon. But that was not the case. A lot of silt flowed from these into the PWD drains, reducing their capacity."

With no one taking the blame, city residents suffer every year due to waterlogging.

Navjeet Chaddhah of Greater Kailash II claimed his house got flooded even after light rain. For the past three days, he has been calling the corporation, the PWD and the DJB to pump out the water, but in vain.

"I have called up the water minister, the PWD minister and even corporation bigwigs. No one is taking responsibility. What do I do?" Chaddhah said.

A government official said the PWD had deployed 202 portable pumps to tackle waterlogging apart from the 529 permanent pumps set up across the city.

Nearly 860 workers in 131 maintenance vans work on PWD roads across the city. The PWD Flood Control Room received 584 complaints by 1pm on Saturday. Out of these, 408 had been attended by 1pm.

AT LEAST 17 AGENCIES IN DELHI MAINTAIN ROADS AND DRAINAGE. ACTIVISTS SAY A SINGLE AGENCY SHOULD MANAGE THE DRAINS

DELHI DROWNS

Hindustan Times, 17/7/16

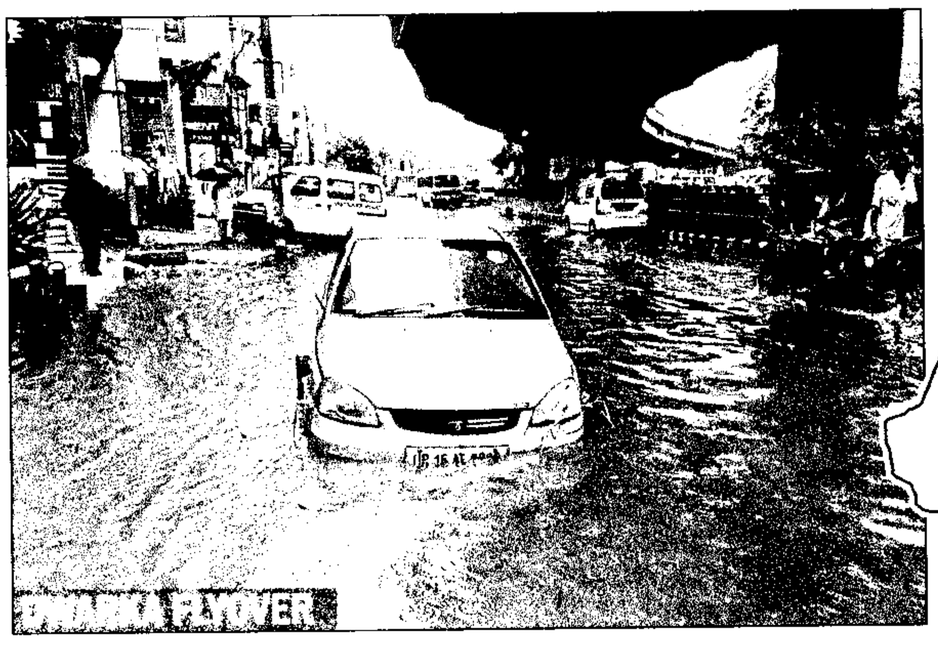

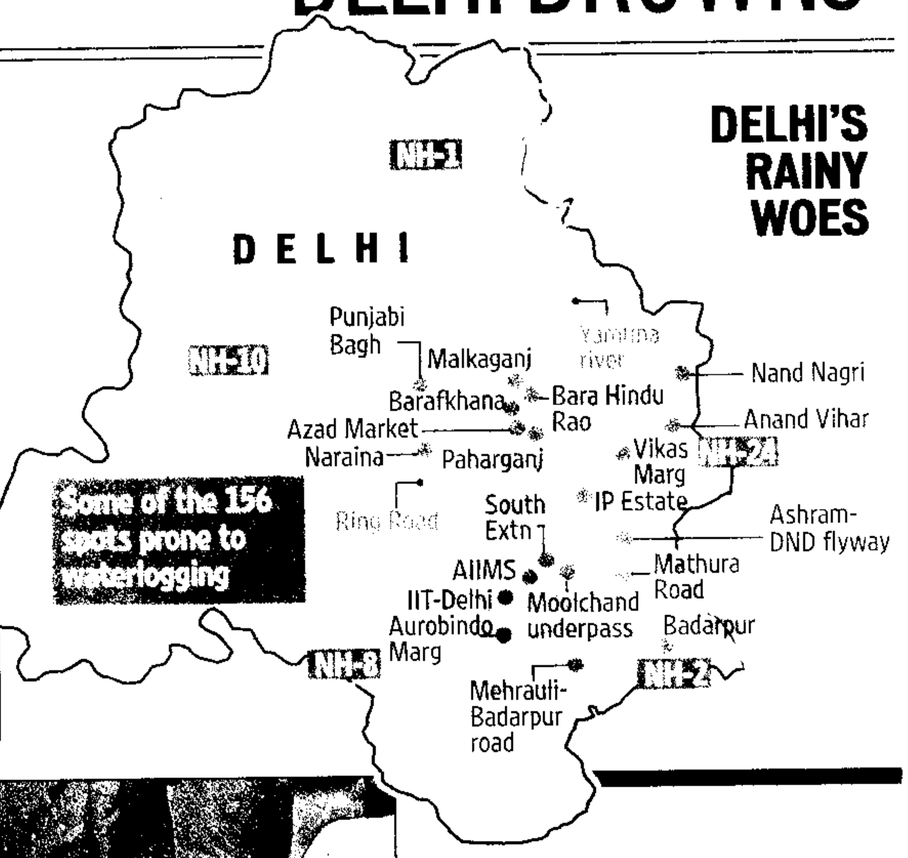

DELHI'S RAINY WOES

PHOTOS: ARUN SHARMA, S BARMAULA & RAJ K RAJ / HT

Mercury falls, more rain likely today

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The weekend started with a pleasant morning in the Capital, but commuting around the city was an ordeal due to flooded roads. The weather was kind with the maximum temperature falling by six degrees. The Met office has forecast similar weather on Sunday, but with moderate rain.

> **The skies will remain generally cloudy on Sunday with moderate to light rainfall. The maximum and minimum temperatures are likely to hover around 29 and 24 degrees Celsius.**
>
> MET OFFICIAL

The maximum temperature on Saturday settled at 29.1 degrees Celsius, while the minimum temperature was 3 degrees below normal at 24.6 degrees Celsius.

The city recorded a rainfall of 55.4mm till 5:30pm on Saturday. The rain had started in the wee hours of the morning and till 8:30am, the city recorded 43.4mm of rainfall. The rain caused waterlogging in parts of the city that led to traffic jams. The highest rainfall this season was recorded at 45.8mm on July 4 till 8.30am.

The rain brought down temperature, but the humidity was 100%.

"The skies will remain generally cloudy on Sunday with moderate to light rainfall," said a Met official. The maximum and minimum temperatures are likely to hover around 29 and 24 degrees Celsius," said a Met official.

Apart from light rain forecast on Monday, there is no rain predicted next week.

AGENCIES REPEATING MISTAKES

This year's rains have again exposed the civic agencies in terms of monsoon preparedness

THE PROBLEMS

- Too many agencies, little coordination
- Concrete drains, water doesn't seep into ground
- Desilting done just before monsoon sets in
- Storm-water drains serving as sewers
- Concretisation of footpaths and roadsides

THE SOLUTIONS

- Start cleaning drains early
- Maintain roads, drains regularly
- Engage residents
- Allocate more funds
- Use technology

Call if you need help

PWD: 1800118595

Traffic Police: 25844444/1095

North MCD: 1266, 011-23220010,

East MCD: 155303

South MCD: 1266, 011-23220006

Delhi Government: 1077

For traffic snarls, info on vehicle breakdown follow @dtptraffic

Check live traffic updates on Googlemaps

18 जुलाई ... को निम्नलिखित समाच... पत्र ... प्रकाशित मानसून/ बाढ सम्बन्धी समाचार

... Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Herald (Bengaluru)
...	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
... (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
...	हिन्दुस्तान (पटना)	

Nav Bharat. 18/7/16

यमुना का लेवल बढ़ा, अलर्ट

■ वस, नई दिल्ली : दिल्ली में बाढ़ की स्थिति बन रही है। यमुना में पानी का लेवल बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए फ्लड डिपार्टमेंट ने अलर्ट जारी कर दिया है।

रात आठ बजे हथनी कुंड से 48264 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है और हर घंटे पानी छोड़ा जा रहा है। इससे दिल्ली में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। दूसरी ओर फ्लड डिपार्टमेंट ने अलर्ट जारी कर दिया है और यमुना किनारे रह रहे लोगों और किसानों को चेतावनी दे दी गई है। फिलहाल यमुना डेंजर लेवल से केवल दो मीटर कम है। फ्लड डिपार्टमेंट के डिजास्टर मैनेजमेंट के अनुसार रात नौ बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज में पानी का लेवल 202.63 मीटर था, जबकि डेंजर लेवल 204.83 मीटर से थोड़ा ही कम है। फ्लड डिपार्टमेंट के डीएम कलानंद जोशी ने बाढ़ की स्थिति को देखते हुए रविवार को एसडीएम, तहसीलदार, एसएचओ के साथ मीटिंग की और यमुना किनारे रहने वालों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है। डिपार्टमेंट का कहना है कि रविवार को दोपहर तीन बजे पानी का लेवल 202.70 मीटर था, जो चार बजे बढ़ कर 202.75 मीटर हो गया था और यही लेवल शाम पांच बजे भी रहा।

Tribune. 18/7/16

People walk with umbrellas during heavy rain in Shimla on Sunday. TRIBUNE PHOTO

The Tribune, 18/7/16

Uttarakhand rains claim 10 lives

Dehradun: Four persons were killed in Uttarakhand's Tehri district on Sunday when their car was hit by debris falling from a hillside following a landslide triggered by heavy rains, taking the toll in the state to 10 even as the Ganga, Yamuna and their tributaries went into spate. The Bhagirathi, Alaknanda and Mandakini were flowing close to the danger mark prompting authorities to evacuate people. PTI

दिनांक 18 जुलाई...... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hin... Delhi)
नव... दिल्ली)
The ... Chandigarh)
The ... Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

New Bharat Times 18/7/16

गंगा-यमुना में उफान से बाढ़ का खतरा, दो दिन में लैंडस्लाइड और बाढ़ से तबाही

उत्तराखंड में बारिश से 10 की मौत

Mahesh.Pandey@timesgroup.com

देहरादून : उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण हुए लैंडस्लाइड और बाढ की घटनाओं में पिछले दो दिन में दस लोगों की मौत हो गई। चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के पास ग्वाड गांव में एक मकान ढहने से उसमे दो लोगों के दबे होने की आशंका हैं। बारिश से चारधाम यात्रा मार्ग समेत राज्य की सैकड़ों सड़कें बाधित हैं। चारधाम यात्रा पर गए सात सौ से ज्यादा तीर्थयात्रियों को प्रशासन ने सुरक्षित जगहों पर रुकवाया है। राज्य की ज्यादातर नदियां भी खतरे के निशान के आसपास बह रही हैं। पौड़ी के डीएम ने जिलों के बारहवीं तक के सभी स्कूलों को सोमवार और मंगलवार दो दिन के लिए बन्द करने के आदेश दिए हैं।

भारी बारिश के कारण राज्य के तमाम जिलों का हाल जानने के लिए सीएम भी राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष पहुंचे उन्होंने राज्य के सभी जिलों के डीएम से बात कर जिलों की स्थिति की जानकारी ली। इससे प्रभावितों के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी हाल जाना।

राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी जिले में एक गोशाला में पेड़ गिरने से गोशाला ढह गई इसमे मौजूद दो लोगों की मौत हो गई। टिहरी जिले में गंगोत्री हाइवे पर एक कार लैंडस्लाइड की चपेट में आ गई जिससे उसमे सवार चार लोगों की मौत हो गई। दो अन्य को बचा लिया गया जिन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हल्द्वानी में उफनती नाले में कार बह जाने से ड्राइवर की मौत हो गई। गढ़वाल क्षेत्र में पौड़ी जिले के श्रीनगर के पास शनिवार रात एक कार सड़क पर फिसलने से अनियंत्रित होकर 200 मीटर गहरे खड्डे में गिर गई जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

कई जगह फंसे हैं तीर्थयात्री

भारी बारिश के कारण गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरीनाथ और केदारनाथ हाइवे भी जगह जगह बंद हैं। इस कारण यात्रा के लिए देश के विभिन्न स्थानों से आए यात्री भी जगह फंसे हुए हैं। सभी को प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का दावा किया है। जो आंकड़े सामने आ रहे हैं उनके अनुसार चमोली जिले के जोशीमठ में तीन सौ तीर्थयात्री, बदरीनाथ मार्ग के ही पांडुकेश्वर में डेढ़ सौ यात्री ,बदरीनाथ में तीन सौ यात्री फंसे हैं।

78 परिवारों को बचाया

लगातार बारिश होने से उत्तरकाशी के गंगोत्री और टेहरी तक भागीरथी और भिलंगना भी खतरे के निसान पर बह रही हैं। गंगोत्री में तो भागीरथी के तेज बहाव से पायलट बाबा के आश्रम का एक हिस्सा भी ढह गया है। हरिद्वार में गंगा भी खतरे के निशान के पास बह रही हैं। ऊधमसिंह नगर जिले में शक्तिफार्म के आस पास सूखी और बगुल नदियों के बीच फंसे 78 परिवारों को प्रशासन ने रेस्क्यू कराया है। नदियों में सिल्ट बढ़ जाने से राज्य का बिजली उत्पादन भी ठप हो गया है। पिथोरागढ़ जिले में कैलाश मानसरोवर मार्ग पर चार पुलों के बहने और दो किलोमीटर सड़क ध्वस्त होने के कारण कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए पांचवे दल के यात्री भी रस्ते में फंसे हुए हैं।

हरिद्वार हिल बाईपास मार्ग पर बने फ्लाईओवर का बड़ा हिस्सा धस गया।

चारधाम यात्रा मार्ग पर ऋषिकेश के पास गिरा मलबा।

भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली : हिमालय में यमुना के कैचमेंट एरिया यानी संग्रहण क्षेत्र में अगले 24 घंटे में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने हिमाचल के सिरमौर, उत्तराखंड के देहरादून और उत्तरकाशी में भारी बारिश की वॉर्निंग अगले 36 घंटों के लिए जारी कर दी है। हथिनी कुंड बैराज पर जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है। इसमें अगले 48 घंटों में और तेजी से बढ़ोत्तरी होगी।

मकान ढहने से दादी और पोते की मौत

भाषा, जयपुर : राजस्थान के करौली जिले के सपोटरा कस्बे में शनिवार को तेज बारिश के दौरान मकान का एक हिस्सा ढहने से मलबे में दबकर सुगनी देवी (65) और पोते अर्जुन (6) की मौत हो गई जबकि पोती घायल हो गई।

नदियों का लेवल बढ़ा

अलकनंदा नदी का लेवल 955 पर पहुंच गया है जबकि इसका खतरे का निशान 957.42 पर है।
नंदाकिनी का लेवल 868.61 पर पहुंच गया है जबकि इसका खतरे का निशान 871.50 है।

18 July H-7

How to escape watery graves in the capital city

METRO MATTERS

SHIVANI SINGH

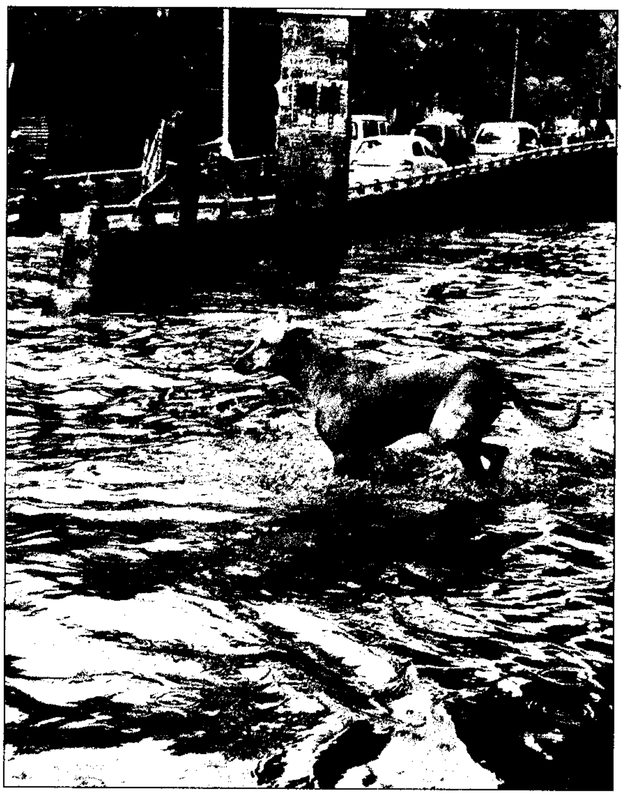

Flooding is yet to claim lives in Delhi. But every time it pours, the city comes to a halt. S. BURMAULA/HT

Like Delhi, Beijing also suffers from both urban flooding and water scarcity. In 2012, when flooding killed 79 people in the Chinese capital, the authorities blamed the volume of rain and not their city's mindless concretisation and inadequate drainage for the tragedy.

Sounds familiar? But the Chinese people mounted pressure on their government. Even the state-controlled press joined in. "It was beyond understanding that city planners gave priority to high-profile vanity projects while ignoring the need for storm drains and the like," The Economist quoted The China Youth Daily in 2015.

Chinese president Xi Jinping stepped in and his government announced the development of 16 sponge cities. The project, launched in 2015, is about developing storage ponds, filtration pools and wetlands in residential areas, and roads and squares built with permeable materials that allow storm water to soak into the ground more effectively.

The pilot projects in Beijing, Shanghai and Xinjiang have shown that 85% of the storm water run-off can be reduced yearly, China Water Risk, a non-profit organisation, reported. The harvested water is meant to be used in toilets, for washing the streets and fire-fighting, the Economist wrote.

Flooding is yet to claim lives in Delhi. But every time it pours, the city comes to a halt. Reports of clogged roads, sewage backflow and traffic jams kill the joys of the first rain, almost instantly. All through the year, Delhi sets the stage for this monsoon mess by stuffing tonnes of garbage, construction waste, road dust and domestic sewage into its gutters and storm water channels.

Before the monsoon, the road-owning agencies start cleaning these choked drains. A huge amount of muck and silt is dug out. While some of it is carried to the dumpsites, the rest sits in piles at the edge of the drains before the first shower drives the load back to where it came from.

The other triggers for the civic collapse during the rains are Delhi's mindless appetite for growth and greed for land. At 98%, Delhi has the highest level of urbanisation anywhere in India. The result is heavy concretisation and little open space.

THE STORM WATER SHOULD BE SOAKED UP BY GREEN PATCHES ALONG THE ROADS AND PAVEMENTS, RECHARGING LOCAL AQUIFERS

Storm water drains and natural channels that used to carry rainwater to the Yamuna have either been converted to mega structures such as Barapullah elevated road and Dilli Haat-INA, or taken over by slums and unauthorised colonies. Ponds and water bodies are long lost to real estate development. Elsewhere, residents have covered the storm water drains to park their cars or extend their lawns.

The Unified Traffic and Transportation Infrastructure (Planning and Engineering) Centre, in its 2012 report on storm water management, had suggested to the government to treat run-offs from roads locally. Right now, all storm water that falls on Delhi roads goes into the drains and then the nallahs and the river. There is no groundwater recharge. These nallahs also carry sewage. So, the storm water that finally reaches the Yamuna is nothing but a toxic mix.

Instead, the storm water should be soaked up by green patches along the roads and pavements, recharging local aquifers. With 25% of Delhi's surface being roads, the rainwater harvesting potential is huge, the report concludes.

But any such initiative requires administrative unity and a political will. With more than 100 agencies running the national capital including as many as 17 in-charge of roads, drains, traffic and civic management, it has never been easy to fix accountability for any civic mess.

Accepting that cleaning up Delhi is "no rocket science", chief minister Arvind Kejriwal on Sunday said that the problem was "political" and the solution lied in getting Delhi full statehood and same-party rule at all levels. But as Delhi waits for the big electoral and legislative outcomes, there is no reason why different agencies cannot form small working groups for better coordination on key civic and infrastructure issues.

Beijing realised that retrofitting its existing drainage systems with larger pipes was a long haul and harvesting rain was a far cheaper, faster way to prevent flooding. Delhi's big challenge is that at least 45% of the city still awaits sewer lines. As they work on it, what's stopping the authorities from tapping a little rain where it falls?

And what's stopping us, citizens who crib every time the city goes under water, from taking community initiatives to protect the storm water drains in every neighbourhood??

shivani.singh@hindustantimes.com

दि. ...... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Herald (Bengluru)
	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The ... digarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The ...)	हिन्दुस्तान (पटना	

21 killed as rain continues to lash north India, Uttarakhand is worst affected

HT Correspondent & Agencies
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: At least 21 people were killed in rain-related incidents across the country over the last 24 hours, with the monsoon gaining momentum in several parts of northern India.

The worst affected was Uttarakhand, where 10 people died in various rain-related mishaps — causing the death toll to shoot up to 30 since July 1. Police and state disaster management sources said four people were killed when their car was buried under the debris of a landslide triggered by heavy rain near Narendra Nagar town on Sunday afternoon.

Three others lost their lives after their vehicle fell into a gorge, and two of a family died when a tree fell on their house in Uttarkashi district. In the fourth incident, an elderly woman was killed after a bus fell into a rivulet in Haldwani the same day.

Heavy rains are likely to continue in the state for another 24 hours, the state MeT office said.

The Capital, on the other hand witnessed light showers — bringing its maximum temperature down to 30.1 degrees Celsius, five notches below normal. Neighbouring Haryana witnessed widespread rainfall.

Madhya Pradesh has been badly affected, with rainfall-induced floods affecting 23 of its 51 districts. Thirty-five people have been confirmed dead so far, and nine reported missing. Over 8,000 people across the state have been forced to leave their inundated homes, and take shelter in 27 temporary relief camps.

(Above) The Bhagirathi river flows at the danger mark in Uttarakhand on Sunday; relief teams shift people to safer areas in Guwahati. HT PHOTO/AP PHOTO

Eight people were reportedly killed in rain-related incidents across Uttar Pradesh, even as the weatherman predicted more rains for Monday. Among the casualties were two sisters, aged 30 and 32, who were killed when the roof of their house collapsed in the heavy rain at Bijnor's Nahtor area.

A 25-year-old unidentified man was also killed after being struck by lightning in Balrampur.

The Karauli district administration in Rajasthan placed 53 villages on red alert after three lakh cusecs of water was released from Panchna dam. The administration has also sought the Army's help to tackle a potential flood-like situation.

An elderly woman and her grandson were also killed in Karauli district when a portion of their house collapsed in the heavy rainfall.

The situation in Assam was also grave, with 1.77 lakh people being affected by unrelenting rainfall. Over 1,33,000 hectares of agricultural land are said to have been inundated across the state. According to the Assam State Disaster Management Authority, a man died at Narayanpur in Lakhimpur district after being swept away in the swirling flood waters.

दि[illegible] 18 जुलाई .... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

H[illegible] Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengluru)
[illegible])	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The [illegible] Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The [illegible])	हिन्दुस्तान (पटना)	

The Telegraph 18/7/16

Monsoon makes up deficit

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

A child walks during rain in Shimla on Thursday. (PTI)

New Delhi, July 14: Rains and monsoon winds moved across the westernmost fringes of the Rajasthan desert on July 13, covering the entire country two days ahead of normal, while helping turn a rainfall deficit two weeks ago into a slightly above-the-normal figure today.

The rains over the past two weeks have turned the country's cumulative rainfall figure from a 12 per cent deficit on June 29 to a two per cent higher than normal by July 14, according to data released by the India Meteorological Department (IMD).

More than two-thirds of India's land area has cumulatively received excess or normal rainfall by July 14, although several of India's 36 meteorological subdivisions, including some in eastern India, have also received deficient rainfall.

Almost all subdivisions in the east and Northeast, including Gangetic Bengal, Bihar, and Jharkhand, have had deficient rainfall since the start of the season — 38 per cent below normal in Assam, 14 per cent below normal in Bengal and 25 per cent below normal in Bihar.

The country's driest subdivision is Saurashtra and Kutch where rainfall is 52 per cent below normal. In contrast, the wettest subdivisions are east Madhya Pradesh with rainfall 71 per cent above normal and west Madhya Pradesh with 88 per cent above normal.

Under the rains and the monsoon's advance, the total area sown with main kharif crops of the season, including rice, oilseeds, sugarcane, among others, expanded from about 215 lakh hectares on July 1 to over 406 lakh hectares on July 8, Union agriculture ministry figures suggest.

Agrometeorology experts say the rainfall during July and August is crucial for these crops. The IMD, in its long-range forecast issued earlier this year, had predicted that the 2016 monsoon rainfall would be 107 per cent above normal in July and 104 per cent above normal in August. The long range forecast had also predicted that the overall monsoon during the four-month season from June through September would be 106 per cent above normal.

H. Times, 18/7/16

Rain forecast, chaos expected

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

Roads near AIIMS were among the worst-affected in the Capital. Breakdown of vehicles compounded the problem. ARUN SHARMA / HT

NEW DELHI: With the weather department predicting rainfall in the Capital on Monday, the first day of the week is likely to open on a chaotic note.

The unpreparedness of the city's civic agencies was exposed over the weekend, with traffic snarls and instances of water-logging reported from many parts. Authorities face an uphill task on Monday, when a large number of office-goers are expected to swarm the roads in private vehicles. CONT'D ON P6

» VIRAL FEVER STALKS CITY, P4

दि 17 जुलाई ... को निम्नलिखित समाचार प... में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ स... न्धी ...माचार

... Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (...)
... दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronica... (...derabad)
...ndigarh)	The Telegraph (Kolkata	Central Chronical (B...)
...ai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

सड़कों पर पानी से बड़ी परेशानी

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

Piyal Bhattacharjee

Sunil Kataria

कई जगहों पर जलभराव होने से सड़कों पर जाम भी लग गया

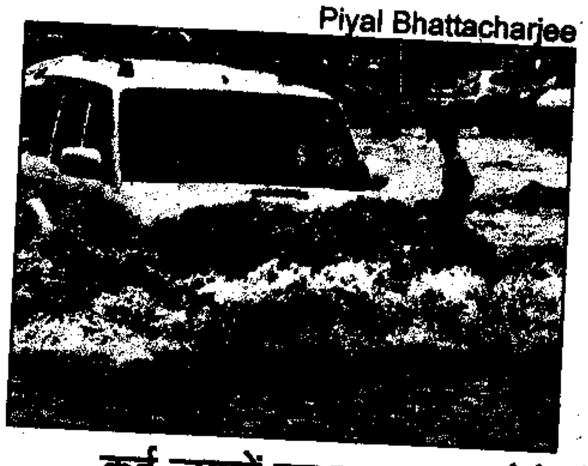

लगातार बारिश के चलते जगह-जगह जलभराव की समस्या देखने को मिली। पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर भी जलभराव के चलते लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि पीडब्ल्यूडी ने दावा किया है कि जहां-जहां जलभराव की कंप्लेंट मिली, वहां पर 15 मिनट से 1 घंटे के भीतर रोड को क्लियर किया गया। विभाग का कहना है कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सभी जरूरी उपाय किए गए हैं, जहां-जहां कंप्लेंट मिली, वहां पर पोर्टेबल पंप का यूज किया गया, इसके अलावा 529 परमानेंट पंप भी लगाए गए हैं। विभाग के मुताबिक जलभराव की समस्या का एक कारण एमसीडी के नाले रहे हैं।

पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर सत्येंद्र जैन ने सीनियर अधिकारियों के साथ अलग-अलग जगहों पर इंस्पेक्शन किया और जलभराव की समस्या से निपटने के काम में लगी टीमों को मॉनिटर किया। पीडब्ल्यूडी की टीमें सुबह 5.30 बजे से ही एक्टिव हो गई थी और जहां भी जलभराव की शिकायत मिल रही थी, वहां पर जाकर रोड को क्लियर किया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक शनिवार को पीडब्ल्यूडी कंट्रोल रूम को 84 कंप्लेंट मिली, जिनमें से 72 कंप्लेंट को एक घंटे के भीतर निपटाया गया। वहीं 16 जून से 17 जुलाई के बीच एक महीने में कंट्रोल रूम को 584 कंप्लेंट मिली हैं। यूनीफाइड कंट्रोल रूम को पिछले एक महीने में 708 कंप्लेंट मिली और 679 अटेंड की गई। पीडब्ल्यूडी के मुताबिक शहर में 20 ऐसे पॉइंट्स सामने आए हैं, जहां पर जलभराव की समस्या गंभीर हुई है। इनमें मूलचंद फ्लाईओवर, एम्स (अरविंदो मार्ग क्रासिंग), एंड्रूयजगंज, लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन के पास, तिमारपुर क्रासिंग, मेन बुराड़ी रोड, जीटीबी नगर, यूनिवर्सिटी रोड, राजा गार्डन फ्लाईओवर, राजधानी कॉलेज के पास, छत्रसाल स्टेडियम, आजादपुर अंडरपास, जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन से मुकरबा चौक हैं।

PWD की टीमों ने सड़कों पर से इस तरह पानी निकाला

जलभराव के लिए इंस्पेक्शन : वॉटरलॉगिंग को देखते हुए साउथ एमसीडी की टीमें कई इलाकों की इंस्पेक्शन कर रही हैं। मेयर श्याम शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जलभराव से जुड़ी लोगों की शिकायतों को सुलझाने के लिए जगह-जगह पर पंप लगाए जाएं। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से मौके पर 24 घंटे मौजूद रहने को कहा है।

July 17 NBT

दि. 17 जुलाई.. को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengluru)
[illegible]	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The Tribune (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The Hindu (Chennai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

The Tribune - 17 July

Traffic congestion overwhelms commuters

TRIBUNE REPORTERS

NEW DELHI, JULY 16

Severe traffic congestion due to waterlogging following heavy rainfall in several areas of the national Capital today overwhelmed commuters, with long tailbacks of vehicles seen at major intersections and roads.

South Delhi was among the worst-hit where traffic was thrown out of gear during peak hours this morning.

Severe waterlogging was reported near AIIMS, IIT-Delhi, Ashram-DND flyway, Moolchand underpass, Jasola, Panchsheel flyover, Yusuf Sarai, Adhchini, South Extension and in several other areas on the Ring Road.

"Commuters, who tried to take diversions from the arterial stretches, ended up being stranded in areas like Safdarjung Enclave, Defence Colony and Lodhi Colony," said an official of the Transport Department.

"Fortunately, it was a weekend and the water accumulated on major road stretches had reduced significantly by the peak hours. Had it been a regular weekday, things would have been worse," said Special Commissioner of Police (Traffic) Sandeep Goel.

A senior official of the Transport Department said, "Waterlogging at the mouth of the IP flyover continued till noon, due to which traffic coming from Rajghat and elevated Ring Road had to be diverted. The trouble was caused by a sewer leakage, which the civic body officials should look into".

The Met Department said Safdarjung observatory recorded 43.4 mm of rainfall while 41.66 mm of rainfall was recorded at Palam observatory till 8:30 am today.

New Delhi Municipal Council (NDMC) workers clear a water-logged road near Jantar Mantar in New Delhi on Saturday. TRIBUNE PHOTO: MUKESH AGGARWAL

Blame game follows

Blame game followed between the civic agencies after heavy downpour led to water-logging in several areas across the city.

Both the BJP-led municipal corporations and the AAP government's Public Works Department (PWD) hurled charges at each other over desilting of drains.

PWD Minister Satyendar Jain accompanied by senior department officials today took stock of the situation.

Leader of the House in SDMC, Subhash Arya, claimed that the civic agency had cleaned all drains under its jurisdiction and the problem was due to the PWD-managed drains.

However, the Delhi government's PWD in response said it was observed that the problem of waterlogging work occurred because of lot of flow of silt from the MCD drains, which were upstream of the PWD drains.

The PWD Flood Control Room received a total of 584 complaints today by 1:00 pm, out of which 408 were attended by 1 pm.

दि 17 जुलाई16 ... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

... Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Herald (Bengaluru)
...	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The ... igarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The ...	हिन्दुस्तान (पटना	

DELHI CHOKES ON RAINWATER

Hindustan Times 17/7/16

Delhiites had to wade through knee-deep water in several areas of the city on Saturday as unprepared municipal and government officials indulged in their annual round of blame game, a permanent fixture every monsoon. AIIMS, Badarpur, Panchsheel, Yusuf Sarai, South Extension and Ashram were among the worst-affected areas as flooded roads and broken-down vehicles brought traffic to a grinding halt.

55.4mm Rainfall till Saturday evening

584 Complaints received by PWD's flood control room till 1pm Saturday

■ **Motorists make their way through a water-logged road near AIIMS.** ARUN SHARMA / HT

156 Areas prone to water-logging in the city

17 Govt agencies responsible for road and drainage maintenance

SUNDAY FORECAST Max 29°C | Min 24°C **Moderate rain expected**

दि. 15 जुलाई 14 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hi… Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	~~The Deccan Herald~~ (Bengluru)
… (…ल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The … (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The … (…)	हिन्दुस्तान (पटना	

Flood situation eases in Kolhapur

15 July DH

Rain resumes in Mumbai

MUMBAI: Intermittent showers throughout Thursday marked the return of rain to Mumbai and its suburbs, while flood-hit Kolhapur district is said to be returning to normalcy.

Rain also receded over Western Maharashtra's Sangli and Satara districts, Konkan region's Raigad, Ratnagiri and Sindhudurg, and Vidarbha's twin districts of Gadchiroli and Sindhudurg.

It was drizzling throughout Thursday in Mumbai, with the regional meteorological observatory of the IMD predicting one or two spells of rains over the city and its suburbs in the next 48 hours. Temperatures in the city are expected to hit a maximum of 31 degree Celsius and a minimum of 25 degree Celsius.

Rainfall data revealed that Satara district's Koyna region received 210 mm rain, while Radhanagari in Kolhapur got 70 mm rainfall. Weather portal skymetweather.com said rainfall over Maharashtra saw a significant improvement in July with all the districts reporting surplus rain.

Vidarbha recorded 64% surplus rain, while rain-deficient Marathwada reported 35% surplus. Good rain has continued almost all regions of the state in July, the weather analyser said. While rain had been sparse over Madhya Maharashtra, it grew noticeably intense in the last four to five days when Nashik, Jalgaon, Kolhapur, Sangli, and Satara received heavy to very heavy rain in this period.

Rain is likely to recede in Madhya Maharashtra, Vidarbha and Marathwada, where the weather would almost dry up in the next few days.

DH News Service

Life back on track in MP

After relentless downpour, rain has taken a break since Wednesday in many parts of Madhya Pradesh as life is limping back to normalcy, PTI reports. However, heavy rainfall has been forecast in half a dozen districts in the next 24 hours. After days of cloudy weather, the sun on Thursday came out brightly in most parts of the state, where rain fury and floods claimed 22 lives till now.

Floods ravage Assam; two dead in landslide in Guwahati

Ratnadip Choudhury

GUWAHATI, DHNS: Even as Assam continued to be deluged with more rain, two people were killed in a massive landslide followed by incessant rain in Guwahati on Thursday.

A 12-year-old girl, Marium Begum, was killed in South Sarania near Gandhibasti area when a rock rolled on her house in Sarania Hills.

Another person, Manik Chandra Rabha, was killed in the same locality in another landslide. He was a preacher in a local temple

Police and NDRF teams are engaged in relief operations while the district administration has advised three families in Noonmati Hills to leave their homes immediately as landslides were feared.

"A team from the soil conservation department has surveyed the place and found it to be dangerous," said Kamrup Met Deputy Commissioner M Angamatthu.

The city of Guwahati is dotted with 18 hills, which become vulnerable with the onset of monsoon.

In Assam, over 1.22 lakh people are affected by flash floods; six districts of the state are still flood ravaged.

River Brahmaputra is flowing above the danger mark in Jorhat and Dhubri.

15 जुलाई, 16

दि॰ [illegible] को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hi[illegible] Times (Delhi) | The Assam Tribune (Guwahati) | The Deccan Herald (Bengaluru)
[illegible] | The Times of India (Mumbai) | The Deccan Chronicle (Hyderabad)
Th[illegible] (Chandigarh) | The Telegraph (Kolkata) | Central Chronicle (Bhopal)
The [illegible] (Chennai) | हिन्दुस्तान (पटना)

Weather update: Lightning kills two in Uttar Pradesh

India inches towards 4% surp

NEW DELHI: With monsoon covering the entire country two days in advance, India has received 4% surplus rainfall, even as lightning strikes killed two people in Uttar Pradesh.

While rain in several parts of the national capital kept the temperature within comfortable levels, a high level of relative humidity (between 58 and 92%) and water logging on roads caused difficulty to Delhiites.

In Madhya Pradesh, where 22 people were killed in the floods, life returned to normalcy with no rainfall since Wednesday. Markets across the state were abuzz with activities and schools functioned as normal. A rainfall alert has been issued for Hoshangabad district.

According to the IMD, the country has so far received 4% more rainfall than normal. All sub regions have been receiving good rainfall except the northeast and east region, where the deficiency has reached 23%.

In Uttar Pradesh, lightning claimed two lives in Bhadohi district as light to moderate rain and thundershowers occurred at a few places in the state. In Rajasthan, heavy to very heavy rainfall occurred at few places in Udaipur and isolated areas in Kota, Ajmer and Bharatpur divisions. Maximum (23 cm) rainfall was recorded in Relmagra in Rajsamand district followed by Mavli town of Udaipur (17 cm) till Thursday morning.

In Haryana and Punjab, where the monsoon has largely been subdued, moderate to heavy rain lashed several parts resulting in a marginal fall in day temperatures

In Haryana and Punjab, where the monsoon has largely been subdued, moderate to heavy rain lashed several parts resulting in a marginal fall in day temperatures.

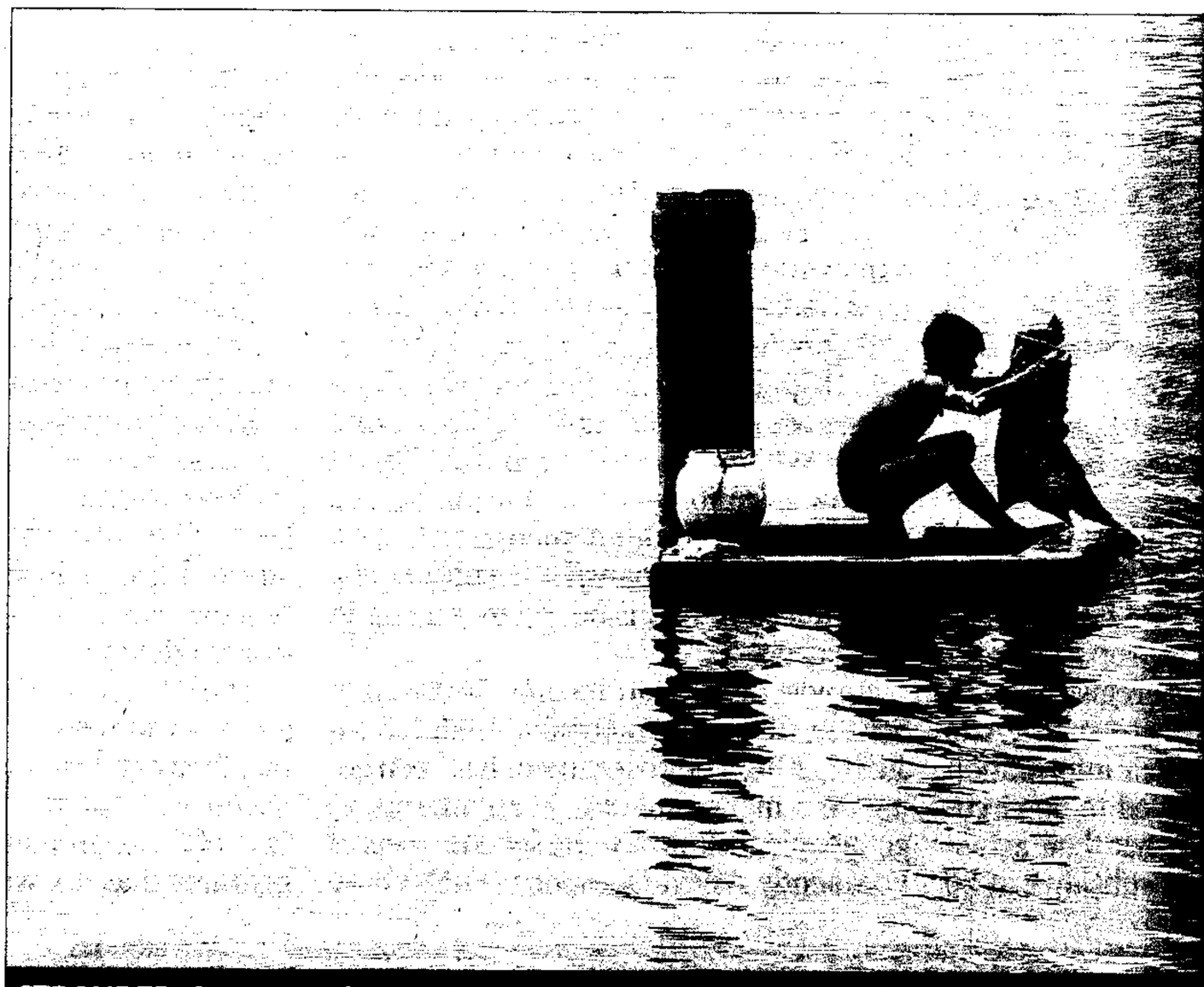

In Himachal Pradesh, moderate to heavy intermittent rain occurred in some parts of the state as monsoon remained normal.

Humid conditions prevailed in most parts of Bihar with light to moderate rainfall at a few places over the state.

PTI

STRANDED: A man washes clothes in a flooded river Ganga after heavy rain lashed A

15 जुलाई..... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengaluru)
दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronicle (Hyderabad)
Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
✓ ai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

MONSOON NIGHTMARE

GOING NOWHERE: The Delhi Traffic Police's helpline received as many as 70 calls regarding waterlogging — a record this season. PHOTO: SUSHIL KUMAR VERMA

15 जुलाई ... को निम्नलिखित समाचार प में प्रकाशित मानसून/ ाढ़ स धी ाचार

Delhi)
ल्ली)
ndigarh)
ई)

The Assam Tribune (Gu..ahati)
The Times of India (Mu..bai)
The Telegraph (Kolkata
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan ..erld (...uru
The Deccan C..ronical (...dera..d)
Central Chro..ical (B......)

Roads in Amar Colony, Rajendra Park, Jama agar, Anand Parbat, Swaroop Nagar and e waterlogged. PHOTO: SUSHIL KUMAR VERMA

Rain and thunderstorms leave IGI airport high and dry

STAFF REPORTER

NEW DELHI: Bad weather played spoilsport at the Indira Gandhi International Airport (IGIA) here on Thursday. While many flights were delayed by one to three hours, three flights had to be diverted due to the inclement weather.

Flights diverted

The bad weather due to rain and the presence of rain-bearing cumulonimbus (CB) clouds resulted in flight schedules being disrupted from Thursday afternoon and through the evening. Many arrivals and departures were delayed by more than an hour, including some that were delayed by up to four hours. Three arrivals were diverted to Jaipur and Lucknow airports.

> Many flights were delayed by more than an hour, including some that were delayed by up to four hours

Dr. R.K. Jenamani, director in-charge of the IGIA MeT unit said that both the Safdarjung and Palam observatories had been receiving rains since the last few days with thunderstorms and 17.7 and 27.2 mm rainfall recorded on Tuesday and Wednesday.

"At IGIA Palam, on July 12, there were two occasions of cloud development leading to CB-type clouds extending up to 12 km, accompanied by thunderstorm," Dr. Jenamani said.

Visibility dips

"It was bad weather during the afternoon as very tall CB clouds developed. This resulted in 11 mm rain, reducing visibility to 1100 metres, with not much wind on the runway," he said.

Dr. Jenamani said that the clouds have been generating stronger turbulence at lower altitudes, which may be causing the flight disruptions, apart from thunderstorms.

"It is not necessarily always the thunderstorm that causes disruption. However, it causes frequent wind direction changes and gusty cross winds that lead to flight diversion or delays," he said.

Passengers, meanwhile, had a tough time at the airport. The situation, however, was not as bad as on Tuesday. "Flights are getting delayed every hour without proper announcement on when they will actually depart. All we hear are delay announcements for multiple flights," said a passenger.

... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Delhi)
)
digarh)
ai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Traffic crawled at major intersections such as ITO, Kashmere Gate, South Extension, Laxmi Nagar, Ashram Chowk after s

Weather blues take Delhi by st

SHUBHOMOY SIKDAR

NEW DELHI: Flooded roads and hapless commuters is a scene that plays out each year in the Capital. Thursday was no different.

As many as 70 calls regarding waterlogging were made to the Delhi Traffic Police's helpline — a record this season. Asked for an update, a traffic officer summed up the situation on Thursday: "It was as if the whole of South Delhi did not move," he said. He went on to say: "The rest of the city was no better."

SNAIL'S PACE: Traffic was painfully slow on many arterial roads. PHOTO: SHIV KUMAR PUSHPAKAR

Same story each year

Major traffic jams were witnessed in several parts of the city including major intersections such as ITO, Kashmere Gate, South Extension, Laxmi Nagar, Ashram Chowk, Moolchand underpass, Dhaula Kuan, Azad Market, Gurdwara Nanakpura, Badarpur, Apsara Border, Yamuna Vihar, Okhla mandi, Uttam Nagar, Rajouri Chowk and Nehru Place. Vehicles remained stuck on waterlogged streets in Rajouri Garden and Punjabi Bagh.

Residents of Amar Colony, Rajendra Park in Narela Zone, Jama Masjid in City Zone, Patel Nagar and Anand Parbat in Karol Bagh Zone, Swaroop Nagar and Pitam Pura in Civil Lines Zone, and Nagloi, Mangolpuri and Sultanpuri in Rohini Zone, also faced waterlogging woes.

Traffic crawled on many arterial roads till late on Thursday night. A heavy jam was witnessed on NH-8 and other stretches connecting South Delhi to IGI airport.

In contrast to the slow vehicular movement, updates on radio and Twitter came thick and fast with social media flooded with traffic-related posts.

Civic bodies exposed

"Travelling from Vasant Kunj to ITO usually takes me about 40 minutes by road. Today, it took be about an hour and a half. In addition to the rain, a 'rath yatra' near Fortis Hospital had blocked traffic," said Simran, a student.

But the rain affected not just traffic. Preparedness of the civic bodies was exposed as rainwater entered residential areas of upmarket housing societies in Rohini, Pitampura, Malakganj, Azad Market Saddar, Nawada, Uttam Nagar West, Janakpuri East and several other places. People here could be seen wading through knee-deep water.

In fact, accumulated water below the Kirti Nagar flyover doubled up as a swimming pool for children from nearby Kathputli Colony.

Wet spell to go on

STAFF REPORTER

NEW DELHI: A little drizzle often brings the Capital to its knees. On Thursday, when parts of the city received up to 48 mm of rainfall between 8.30 a.m. and 5.30 p.m., the relief that it offered from the soaring temperatures took a back seat. Instead, the problem of waterlogging and subsequent traffic snarls became a cause of worry for Delhiites.

The Safdarjung observatory, figures from which are considered the official reading for the city, recorded 15 mm of rainfall till 5.30 p.m. The Palam observatory recorded 3 mm of rainfall while Lodhi Road recorded 6.4 mm and the Ridge recorded 22.2 mm, according to data provided by the MeT department.

Najafgarh and Pitampura received the highest rainfall with the weather stations recording 48 mm and 27 mm of rain respectively.

The maximum temperature was recorded at 35.2 degrees Celsius, while the minimum was recorded at 27.4 degrees Celsius — which is normal for this time of the year. The MeT department has forecast more rain for Friday along with a generally cloudy sky. Temperatures are likely to dip further and settle between 32 and 26 degree Celsius.

WELCOME CHANGE: Delhiites can lo further with the MeT departmen PHOTO: SANDEEP SAXENA

News item/letter/article/editorial published on

Hindustan Times ✓
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Kerala hydel project could drown iconic waterfall's thunder

SPECIAL

Ramesh Babu
rbabu@hindustantimes.com

THRISSUR: Tribals of Athirappilly vividly remember director Mani Ratnam's adventurous setting for 'Raavan' and Aishwarya Rai's fall into the roaring waters. The thunderous waterfall that has formed the backdrop of several Bollywood hits could eventually fall off the map thanks to an ambitious power project.

A favourite picnic spot and weekend getaway, the Athirappilly waterfall is in news again as the demand for a hydel power project in its upstream has been revived after a long gap, triggering loud protests from nature-lovers and local tribals. However, the ruling CPI(M), a strong votary of the dam, has dubbed these protests as 'green fundamentalism'.

The ruling LDF government feels the dam can be built without disturbing the course of the waterfall and the surrounding green cover. But its opponents say the dam will deal a death blow to the picturesque landscape and displace many tribal families. Earlier this month, the Kadar tribals living in the area took a vow, saying the hydel project can only be built over their bodies.

> **It is sad that for 163 MW power we are planning to destroy a lush green cover. The Madhav Gadgil expert panel on Western Ghats has put Athirappilly and surrounding areas in ecologically-sensitive list and opposed any move to grant permission to the dam.**
>
> DR LATHA ANANTHA, founder of River Research Centre

"They have to kill us before building the dam. We never expected such a proposal from the new government that we just voted to power. It is a ploy to plunder green cover and destroy the serene waterfall. We will oppose it tooth and nail," said tribal leader KP Indira.

Several tribals like Indira work with the Vana Samrakshana Samiti, a group that protects the waterfall and surrounding areas. For them, it is the sole source of their livelihood. "Only fools will argue that the dam can be built without harming the pristine forest," said Gopalan Kaliappan, another tribal.

The hydel project with an installed capacity of 163 MW is being planned on the Chalakudy river in Thrissur district. It will be spread along 6.7 km upstream from Athirappilly waterfall to the Vazhachal fall, both famous tourist destinations. Six dams for hydel projects and one for irrigation have already been constructed along the 145-km-long river that flows through Palakkad, Thrissur and Ernakulam districts before entering the Arabian Sea.

Environmentalists say the proposed dam will submerge 200 hectares of forest land that is home to tigers, elephants, the endangered Malabar giant squirrel, lion-tailed macaque and great Indian hornbill. Besides affecting the rich flora and fauna, it will also displace 500-odd tribal families living here for many generations.

The tribals say they have been displaced and driven downstream earlier for hydro power projects and there is hardly any forested area left downstream for them to shift. The dam would also affect at least four lakh people living downstream, they argue.

"It is sad that for 163 MW power we are planning to destroy a lush green cover. The Madhav Gadgil expert panel on Western Ghats has put Athirappilly and surrounding areas in ecologically-sensitive list and opposed any move to grant permission to the dam," says Dr Latha Anantha, founder of River Research Centre, who has been spearheading a campaign to protect Chalakudy river.

The dam was first mooted in 1978 and the state electricity board (SEB) moved a proposal in 1982. But it was forced to back down following a loud outcry. In 1998, when Pinarayi Vijayan (the current CM) was the Power Minister in the EK Nayanar government, the project was revived again. Later it was given ecological clearance but got into a series of legal wrangles.

FEELING THE POWER PINCH

■ Athirappilly falls

THRISSUR
Kerala

AT A GLANCE

82 ft waterfall's height

100 m total width

VISITORS: 7 million A YEAR

1,836 cu ft Water flow rate

FAMOUS FOR Hornbills: All four species of hornbills and lion-tailed macaque are found here

SOME BOLLYWOOD HITS FILMED AT THE FALLS

- Mani Ratnam's Dil Se starring Shah Rukh Khan, Manisha Koirala and Preity Zinta (the song Jiya Jale)
- Ratnam's Guru (the song Barso Re Megha)
- Ratnam's Raavan (the song Behene De)
- Rajkumar Santoshi's Pukar starring Anil Kapoor (the song [illegible])
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

News item/letter/article/editorial published on 18/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

Mild tremors shake Gujarat

SPECIAL CORRESPONDENT

AHMEDABAD: A mild intensity earthquake of 4.7-magnitude jolted parts of Gujarat on Sunday morning.

According to the Institute of Seismological Research, Gandhinagar, the temblor was recorded at 9:24 a.m. with its epicentre at 24-km north-northwest of Surat. An aftershock of 2.3-maginitude was also felt at 11:23 a.m. with its epicentre 25 km east south-east of Bhavnagar.

The impact of the first aftershock was felt in a diameter of 50 km from the epicentre.

A 30-year-old man was injured after he jumped off the second floor of a building in Palitana in Bhavnagar district following the quake. He has been admitted in a hospital.

However, there was no report of damage or casualty anywhere in the State.

Chief Minister Anandiben Patel has asked the Relief Commissioner to gather reports from the districts

News item/letter/article/editorial published on 18/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.) ✓
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

More rain likely today: Met

New Delhi: Light rains increased humidity level in the capital causing discomfort to people in the city while more showers are expected on Monday.

The maximum temperature settled at 30.1 degrees Celsius, five notches below the normal, on Sunday. The minimum temperature settled at 26.4 degrees Celsius, one notch below the normal, and the humidity level oscillated between 81% and 97%.

According to the India Meteorological Department, 2.5mm rainfall was recorded between 8.30am and 5.30pm at Safdarjung observatory. PTI

Yamuna level rises, boats deployed

With heavy rain in the Yamuna's catchment area, 48,264 cusec water was discharged from Hathnikund at 8pm on Sunday, leading to fears of a rise in its level in Delhi. The irrigation and flood control department said the level at old railway bridge on Sunday was 202.63ft, which was below the danger mark. The Delhi government has deployed 18 motor boats as a measure to evacuate riverbed dwellers. PTI

Bike rams electric pole, youth dies

A 20-year-old man was killed after his bike rammed an electric pole in northeast Delhi's Karawal Nagar on Sunday. The deceased, Nitin, was student of BA, final year.

"Locals tried to rescue him using wooden sticks. He was then rushed to a nearby hospital where he was declared brought dead," a police officer said.

A BSES spokesperson said that no leakage of current was found in its network. TNN

News item/letter/article/editorial published on 18/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

LESSONS FROM FLOOD

Rising waters in Guwahati bring a stark reminder: Urban planners have long ignored hydrology

ON JUNE 29, Guwahati became the first city in the country to undergo a major drill to tackle floods in an urban setting. The drill was part of the Narendra Modi government's National Disaster Management Plan. The disaster management agencies were back in action in less than a fortnight, and this time it was no mock drill. Guwahati has been experiencing floods since the first week of July. Three districts as well as the Majuli island — Assam Chief Minister Sarbananda Sonowal's constituency — have been inundated and the government has called in the army in relief and rescue operations. The story seems strikingly similar to the past several years. And not just in Guwahati. The recent cases of urban floods — especially in Chennai and Srinagar — show that there has been little attempt to deal with floods beyond providing relief. Floods have rarely been taken up at the level of urban planning and the government has scarcely tried to understand them as the fallout of changes to a city's topography and drainage system.

A fundamental principle of hydrology says that during heavy rains, natural waterbodies and interlinked drainage systems hold back some water, use that to replenish groundwater and release excess water into larger waterbodies — oceans and big rivers. Most urban planners in the country have ignored this axiom. In Guwahati, natural and artificial drains are choked with garbage; they get clogged during heavy rains and water spills on to the roads. The Bharalu, the only river which flows through Guwahati and carries rainwater to the Brahmaputra, is a terrible garbage dump today. The river is critical to the city's hydrology because the level of the Brahmaputra is about 6 meters below Guwahati; the city requires the Bharalu to carry the run-off to the mighty river. Wetlands that could have soaked up the rainwater have also become garbage dumps.

In these respects, Guwahati's story is strikingly similar to Srinagar and Chennai — and Mumbai a little more than a decade earlier. The Dal Lake in Srinagar is today a third of what it was about a hundred years ago. After the floods in Chennai in November 2015, the National Institute of Disaster Management pointed out that the number of waterbodies in Chennai, had come down to 30 from more than 650 in less than two decades. In most cases, the waterbodies have been victims of real estate development. Such disregard for hydrology seems unfortunate when the government has been talking of urban renewal, especially through its smart cities programme.

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz
and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Pakistan to take river dispute back to court

In 2013, arbitration court recognised India's rights

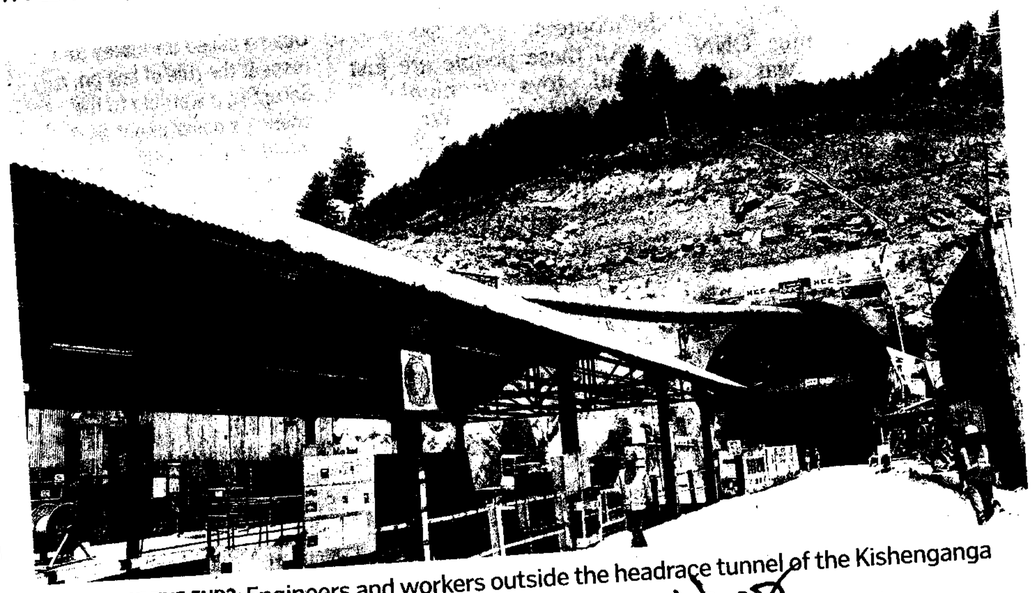

NO LIGHT AT THE END?: Engineers and workers outside the headrace tunnel of the Kishenganga hydel project at Bandipora. — FILE PHOTO: NISSAR AHMAD

KALLOL BHATTACHERJEE

NEW DELHI: In a move that will ratchet up tensions, Pakistan has decided to return to an international tribunal to settle a dispute with India over sharing waters of the Kishenganga and Ratle rivers.

Pakistan had initiated international proceedings on sharing Kishenganga's water but lost the case in 2013 when the International Court of Arbitration "recognised" India's rights over the river.

Pakistan's latest decision to go to the Permanent Court of Arbitration (PCA), The Hague, was made public after talks between officials of both sides in Delhi failed to make progress.

"Visit of a team, led by Water and Power Secretary of Pakistan to New Delhi on July 14-15, was in response to India pointing out to Pakistan that the latter was violating provisions of the Indus Waters Treaty in rushing to a third forum without attempting to avail Treaty provisions for amicably resolving matters of mutual concern pertaining to two hydro-electric power projects on Kishenganga and Ratle," the official spokesperson Vikas Swarup told the media.

Pakistan's decision to move the Permanent Court of Arbitration in the case is expected to erode the established mechanism of solving disputes on river water sharing which has served both sides successfully under the Indus Waters Treaty, 1960.

India's response came a day after Pakistan's Minister of Defence, Water and Power, Khawaja M. Asif announced on Twitter that two and half years of negotiation on Kishenganga and Ratle projects have failed. "Pakistan with the consent of stakeholders has decided to take it to the full court of arbitration," Mr. Asif said.

Pakistan's previous attempt at the PCA had backfired as the PCA had given a verdict defending India's right to divert water of Kishenganga. The PCA had also quashed Pakistan's argument that India's hydro electricity power plans on the Kishenganga reduced flow of water for Neelum Jhelum Hydro Electricity Project (NJHEP).

New Strategy

However experts in Pakistan are pointing out that unlike the previous arbitration at the PCA which lasted from 2010-2013, Pakistan will this time around take up the issue of "design" of the Kishenganga and Ratle river projects in Kashmir.

"We intend to emphasise the design aspect of the dams which may reduce flow of waters in the lower riparian region of Pakistan," said Najam Rafique of Islamabad's Institute of Strategic Studies. Dr. Rafique said that Pakistan would also highlight that the previous decision of the PCA had stated that India's right over these rivers was not "absolute" as India also has to ensure minimum flow of waters into the Pakistani part of the rivers. "Under the previous judgment India is supposed to maintain a flow of water which would be sufficient for Pakistan," he said.

News item/letter/article/editorial published on 17/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Heavy rain kills 6 in Uttarakhand, Bihar

KAVITA UPADHYAY

DEHRADUN: Three persons were killed in Uttarakhand as heavy rains lashed the State on Saturday. Rivers in the State continued to be in spate.

A woman died and one person was injured as a bus tumbled into a local stream in near Haldwani area after the water level in the stream increased due to torrential rains. Two persons were killed and six were injured in another accident when an SUV fell into a gorge near Almora, on Saturday.

Power disrupted

While electricity and drinking water supply remained disrupted at many places across the State, 185 families had to take shelter in relief camps as there was threat that their houses would be damaged either from the landslides or the overflowing rivers in Pithoragarh and Chamoli districts.

The Dehradun Meteorological Centre, which had issued an alert against heavy rainfall for Saturday has warned of "heavy to very heavy rains" on Sunday also.

Rains across the State have left the rivers in spate with the waters nearing the danger mark at several places. According to the State Disaster Management Department the Ganga at Haridwar had reached a mark of 293.05 metres which was just about a metre (m) below its danger level.

Char Dham Yatra hit

The Char Dham Yatra remained disrupted due to frequent landslips caused by continuous rains. About 150 kanwarias, devotees of Lord Shiva, were stranded on their return from Gaumukh when two bridges between Gaumukh and Gangotri were damaged by the rising water in the Bhagirathi. "Eighty kanwarias have been rescued and have been brought safely to Gangotri. The SDRF team, police, revenue teams shall ensure that the remaining kanwarias are brought to safety by [Saturday] night," Uttarakashi District Magistrate, Dipendra Chaudhary said.

Chief Minister Harish Rawat has asked the respective district administrations to take measures for safety of residents and pilgrims.

Situation critical in Assam

PTI reports from New Delhi:

At least three persons were killed in rain-related incidents in Bihar, while the flood situation remained critical in Assam. Heavy rain in Karauli district of Rajasthan has led to a deluge-like condition there.

The flood situation in Assam remained critical with over 1.88 lakh people reeling under the impact of the deluge in six districts of the State. Over 300 villages have been affected by the floods, with 16,240 hectares of crop land under water and standing crops being flattened.

ND-ND

News item/letter/article/editorial published on '6.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D) ✓	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
SATURDAY, JULY 16, 2016

Monsoon showers boost kharif sowing operations

Reservoirs See Rise In Water Levels

Vishwa.Mohan
@timesgroup.com

FARMS AND RESERVOIRS: GOOD NEWS FINALLY

FARMS | Status of Kharif sown area in past six weeks:

➤ Sown area under Kharif crops crossed the corresponding period of last year's mark for the first time this season

Date	Area sown in 2016-17	Area sown in 2015-16
June 10	71.24	76.65
June 16	84.21	93.63
June 24	124.94	164.10
July 1	215.87	279.27
July 8	406.27	431.82
July 15	559.76	548.38

Area in lakh hectares

RESERVOIRS

Total water storage capacity of 91 major reservoirs: **157.79 BCM**

➤ Water availability jumped significantly in past two weeks

WATER AVAILABILITY IN THESE RESERVOIRS (IN BCM)

(1 cubic meter = 1000 litres) BMC: Billion Cubic Metre

Farmers' enthusiasm towards sowing of pulses can be attributed to the recent increase in the minimum support prices (MSP). Sown area under pulses increased in Karnataka, Madhya Pradesh, Rajasthan and Maharashtra

New Delhi: Backed by acreage for pulses that recorded a substantial jump this week, the total sown area under kharif (summer) crops has for the first time this season crossed the mark of the overall acreage of these crops during the corresponding period last year.

The week proved to be beneficial in alleviating water shortages as the country's 91 key reservoirs also recorded sufficient increase in the availability of water due to good monsoon rains.

The sowing data, released by the agriculture ministry on Friday, shows that the total sown area under kharif crops increased from 406.27 lakh hectare on July 8 to 559.76 lakh hectare as on Friday — indicating a pick up in pace of sowing operations in many parts of the country during the week. The jump is mainly attributed to increasing acreage in Karnataka and Madhya Pradesh.

The sown area at this time last year was 548.38 lakh hectare. "We will see the increasing trend till the end of the kharif sowing season in September", said an official, adding the availability of water in reservoirs will also increase during the remaining period of the monsoon season.

Area under pulses increased from 45.94 lakh hectare as on July 8 to 71.07 lakh hectare on Friday. As compared to the corresponding period last year, the acreage for pulses shows a substantial jump. The acreage was 51.12 lakh hectare at this time last year.

Farmers' enthusiasm towards sowing of pulses can be attributed to the recent increase in the minimum support prices (MSP). The record shows that the farmers have shifted from other crops like cotton and oilseeds towards pulses for higher MSP and bonus.

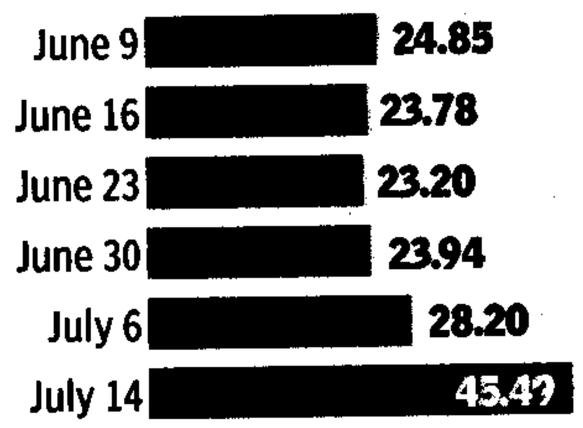

Sown area under pulses increased in Karnataka, Madhya Pradesh, Rajasthan and Maharashtra. Though there was a marginal increase in area under paddy, coarse cereals, oilseeds and sugarcane during the week, area under cotton crop was down by 24% during the said period.

News item/letter/article/editorial published on 18/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.) ✓
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

HC: Report steps on rainwater harvesting

Pollution & Civic Agencies To Reply By Aug 17

The bench asked civic agencies whether they have taken steps to encourage rainwater harvesting and also questioned whether rainwater harvesting systems have been installed on the court premises and in the government buildings

New Delhi: The Delhi high court has asked all civic agencies whether they have taken steps to encourage rainwater harvesting in the national capital and sought a detailed report from them on the current status of their initiatives.

A bench of Justices B D Ahmed and Ashutosh Kumar issued notice to Delhi Pollution Control Committee, Central Ground Water Authority (CGWA), all the three municipal corporations and New Delhi Municipal Council (NDMC) and sought reports from them by August 17.

The notices were issued to the various agencies after the court noted that monsoon has already arrived in the national capital but none of the agencies have any policy to adopt rainwater harvesting systems in the city.

"I do not know why anybody is not interested in doing any job. By the time you will do, rain will be over," the bench said.

The court also said that while Delhi Jal Board (DJB) has indicated steps to be taken, it has not mentioned a timeline for the same.

The counsel for DJB said it has launched three rainwater harvesting information centres that will recommend the type of conservation practices to be adopted and also train plumbers and masons in designing such facilities.

"An NGO, working in the water sector, has partnered with the DJB to run the centres," DJB's counsel said.

The court was hearing a public interest litigation by advocate R K Kapoor seeking implementation of rainwater harvesting units in the national capital, especially in government buildings and hospitals.

The bench questioned whether rainwater harvesting systems have been installed in the court premises and in government buildings. PTI

News item/letter/article/editorial published on 18/7/16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.) ✓	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Colonies manage to turn around water table

[illegible] Gandhiok
@[illegible]roup.com

New Delhi: Around 13 years ago, Defence Colony's groundwater levels had gone down to 80 feet below the ground and water scarcity became a common problem in this affluent locality. That is when the Defence Colony Welfare Association decided to install a rainwater harvesting system costing around Rs 3 lakh. Ahead of this monsoon, the level was measured at 40 feet below the ground with 25 recharge pits in place to collect rainwater.

Working with Force, an NGO, the association built the recharge pits in the areas prone to waterlogging. According to Ramesh Malhotra, its joint secretary, the model has worked so well that the association is planning to install 50 more rainwater harvesting pits in the locality. "We conducted an independent study last year, which found that the groundwater level has risen by close to 30 feet at many places," said Malhotra.

RECYCLING RESOURCE

COST OF INSTALLING A RAINWATER HARVESTING SYSTEM

- **₹2,000 to ₹30,000** for an area of about 300 sq m, depending on the cost of the equipment
- Colony projects may cost from **₹50,000 to ₹8 lakh,** depending on the number of pits to be installed

COMPONENTS OF SYSTEM

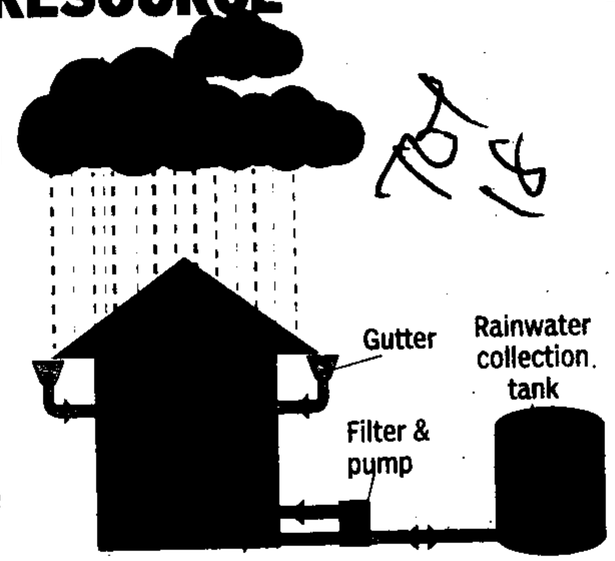

CATCHMENT Surface area directly receiving rainwater

COARSE MESH Separate debris from water

GUTTERS Channels all around the edge of a sloping roof to collect and transport rainwater to storage tank

CONDUITS Pipelines carrying water from catchment to RWH system

FIRST-FLUSHING Valve ensuring that runoff from the first spell of rain is flushed out

FILTER Removes suspended pollutants from rainwater collected on roof. Charcoal and sand filters most commonly used

QUALITY CHECK

- Catchment areas like rooftops must be kept clean, especially during monsoon
- Roof outlet should be covered by a mesh to check debris
- Filter materials must be replaced or washed before monsoon
- All polluted water should be removed from recharge structures

Source: rainwaterharvesting.org

The readings taken by the Centre for Science and Environment (CSE) in November 2010 showed groundwater levels had risen by 14.4 feet since 2006, while a recent study by Force found that close to 7 crore litres of water had been added to groundwater tables in Defence Colony through these pits.

Residents of Nizamuddin East also adopted a similar model in 2004. Built at a cost of close to Rs 2 lakh, the 11-pit project was fully funded by the residents themselves. Five pits were later added by the corporation and close to 40% of the surface area in the colony is now being utilised to collect rainwater.

"We ourselves clean the pits regularly; the maintenance is also funded by us. The response to this project has been great. Low-lying areas that earlier faced waterlogging have now become ideal spots for the system," said Vandana Menon, member of the rainwater harvesting committee.

Another area battling water scarcity in south Delhi is New Friend's Colony. Here, a local club built a system in 2004 for Rs 40,000, which has harvested close to 10 lakh litres of water. "If one recharge pit can harvest so much water, residents in other colonies and areas can also give it a try," said A K Jha, administrative officer of the club.

According to Ashutosh Dixit, CEO of URJA, an NGO, more residential colonies should take up such projects. "We recently helped revive many recharge pits in Defence Colony. Ideally, a pit should be cleaned every year before the monsoon as leaves and debris may clog it. The participation of residents is crucial to maintain these pits," Dixit said.

News item/letter/article/editorial published on 16/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

प्रशासन ने सुध नहीं ली

बांध का गला घुटा, मकान डूबने लगे, बांध सूखा

प्रेम रत्नाकर बांध में नहीं पहुंच रहा पानी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

अलवर शहर के निकट कटीघाटी से नीचे प्रेम रत्नाकर बांध का गला घुटता जा रहा है। नाले व बहाव क्षेत्रों में अवैध निर्माण होने से बांध तक पानी पहुंच ही नहीं रहा है। जिसके कारण आसपास के मकानों में पानी भरने लगा है। इन्द्रदेव की मेहरबानी बनी रही और प्रशासन ने सुध नहीं ली तो यहां बसे लोगों पर आफत आना तय है। प्रेम रत्नाकर बांध के बहाव क्षेत्र में मकान बनने और भराव क्षेत्र में दीवार लगाए जाने के कारण पानी बांध में पहुंचने की बजाय बीच में रुक रहा है। जिसके कारण थोड़ी सी बारिश होते ही कटी घाटी के निकट धौला कुआं क्षेत्र में पानी घरों के अन्दर तक भर जाता है। खाली भूखण्ड तो लबालब हो जाते हैं। नालों के जरिए बांध में जाना वाला एक तरफ का पूरा पानी यहां एकत्रित हो रहा है। जिसकी सबसे प्रमुख वजह नाले पर अतिक्रमण है। यहां पर करीब 15 फीट चौड़े नाले पर अतिक्रमण है। जिसके कारण पानी आगे बिल्कुल नहीं जा रहा है। इस पानी के रास्ते में कई मैरिज होम बाधक बन गए है। आए दिन नए निर्माण हो रहे है। न सिंचाई विभाग को इसकी परवाह न यूआई व जिला प्रशासन को। जिसका खमियजा वहां रह रहे लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जबकि इसकी कई बार जिला कलक्टर तक शिकायत की जा चुकी है।

अवैध रूप से कॉलानी बस गई

प्रेम रत्नाकर बांध बहाव क्षेत्र में अवैध रूप से कॉलोनियां बस गई। बड़ी संख्या में मकान बन गए। करीब दो साल पहले यूआईटी ने अवैध कॉलोनी के कार्य को रुकवाया भी था। वहां बने मकानों के मालिकों को नोटिस तक भेजे। इसके आगे कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके कारण बांध भराव क्षेत्र में और काफी संख्या में मकान बन गए। जो पानी के बहाव में बाधा बन रहे हैं। खतरा रह रहे लोगों को जानकार लोगों का मानना है कि बांध में पहाड़ों के अलावा आसपास के क्षेत्र का बारिश का पानी आता है।

पत्रिका-16-7-16

News item/letter/article/editorial published on 16/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

घर-घर गंगाजल पहुंचाने की तैयारी में मोदी सरकार

पत्रिका-16-7-16

समीर चौगांवकर
patrika.com

नई दिल्ली . गंगा के सफाई के लिए हजारों करोड रुपए खर्च कर रही मोदी सरकार ने अब गंगा साफ होने से पहले ही गंगा के पानी को घर घर पहुंचाने का मन बनाया है। सरकार इस गंगाजल को पूरे देश में बेचेगी और नमामि गंगे के लिए खर्च हो रहे हजारों करोड़ रुपए की कुछ हद तक वसूली इस गंगाजल को बेचकर करेगी। केन्द्र सरकार ने इस योजना का नाम हर घर गंगाजल रखा है। इस योजना के प्राथमिक चरण में सरकार देशभर मे फैले डाकघरों के विशाल नेटवर्क को इस्तेमाल कर देश के कोने कोने में बसे गंगा के आस्थावान लोगों के घर पर गंगाजल पहुंचाएगी। प्रारंभिक चरण में गंगोत्री और ऋषिकेश के गंगाजल को बेचा जा रहा है और इसके बाद बिहार और पटना के गंगाजल के साफ होने पर इन जगहों से गंगाजल को बोतलबंद कर बेचा जाएंगा। फिलहाल अभी 200 मि.ली. और 500 मि.ली. के दो साइजों में गंगाजल उपलब्ध कराया जा रहा है। गंगोत्री के गंगाजल की 200 मि.ली. बोतल की कीमत 15 रुपये और 500 मि.ली.बोतल की कीमत 22 रुपये निर्धारित की गई है। सरकार बिक्री में बढोतरी होने पर गंगाजल की कीमतों में वृध्दि कर सकती है। विपक्षी दल मोदी सरकार के इस योजना पर निशाना साध रहे है और पवित्र गंगाजल का व्यवसायीकरण करने का आरोप मोदी सरकार पर लगा रहे है।

पंतजलि-खादी भंडार भी बेच सकते है गंगाजल

सूत्र बताते हैं कि कि मोदी सरकार डाकघर के साथ साथ आने वाले समय में गंगाजल की मांग को देखते हुए देशभर के खादी ग्रामोद्योग भंडार का इस्तेमाल भी कर सकती है। खादी भंडार पर भी गंगाजल उपलब्ध कराया जा सकता है। बाबा रामदेव की पंतजलि भी केन्द्र सरकार की इसमें सहयोगी बन सकती है। हालांकि केन्द्र सरकार की अभी पंतजलि से इस संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई है। आने वाले दिनों मे मोदी सरकार रेलवे के नेटवर्क का इस्तेमाल कर देशभर के रेल्वे स्टेशनों पर भी गंगाजल उपलब्ध करा सकती है।

नमामि गंगे के लिए 20 हजार करोड़

केन्द्र सरकार ने 13 मई 2015 को नमामि गंगे नाम से फ्लैगशिप कार्य म की शुरुआत की थी। इसके अंतर्गत गंगा को स्वच्छ करने के लिए अगले पांच सालों के लिए 20 हजार करोड़ का बजट रखा गया है। यह रकम सरकार के विगत 30 वर्षों के व्यय की तुलना में चौगुनी है। भारत सरकार ने 1985 से कुल मिलाकर 4 हजार करोड़ रुपए इस कार्य की मद में खर्च किए है।

News item/letter/article/editorial published on 16/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

महोबा, बांदा, झांसी में आठ घंटे की बारिश से जनजीवन परेशान

बुंदेलखंड में बाढ़ जैसे हालात

आफत

कानपुर | हिन्दुस्तान टीम

बुंदेलखंड में बाढ़ के हालात बन गए हैं। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ। सभी नदियां उफान पर हैं। इसके पहले 2011 में रिकार्ड तोड़ करीब 900 मिलीमीटर बारिश हुई थी।

शुक्रवार को सबसे ज्यादा महोबा में 75 मिलीमीटर, जबकि सबसे कम ललितपुर में 8 मिलीमीटर बारिश हुई। बुंदेलखंड के सभी जिलों में खेतों में पानी भरने से किसान परेशान हैं। तिलहन-दलहन की फसल डूब गई है।

बुंदेलखंड में बेतवा, यमुना, मंदाकिनी, चंद्रावली, विरमा, सुखनाई नदियों में पानी तेजी से बढ़ रहा है। ललितपुर में सौन, जामनी, शहजाद, धसान बरसाती नदियां भी उफान पर हैं। सभी जिलों को सतर्क कर दिया गया है। चित्रकूट में मंदाकिनी खतरे के निशान से डेढ़ मीटर ऊपर बह रही हैं।

झांसी, उरई, चित्रकूट, हमीरपुर में सड़कों पर पानी भरने से यातायात बाधित रहा। महोबा में जिला अस्पताल के वार्ड तक बारिश का पानी घुस गया। उरई के ग्रामीण इलाकों के कई गांव में पानी भरने से हाहाकार मचा है। बांदा में डीआईओएस दफ्तर में पानी घुसा। कई मोहल्ले पानी भरने से टापू बन गए। बारिश के दौरान कई जिलों में बिजली व्यवस्था चरमरा गई। संचार व्यवस्था भी ठप पड़ गई।

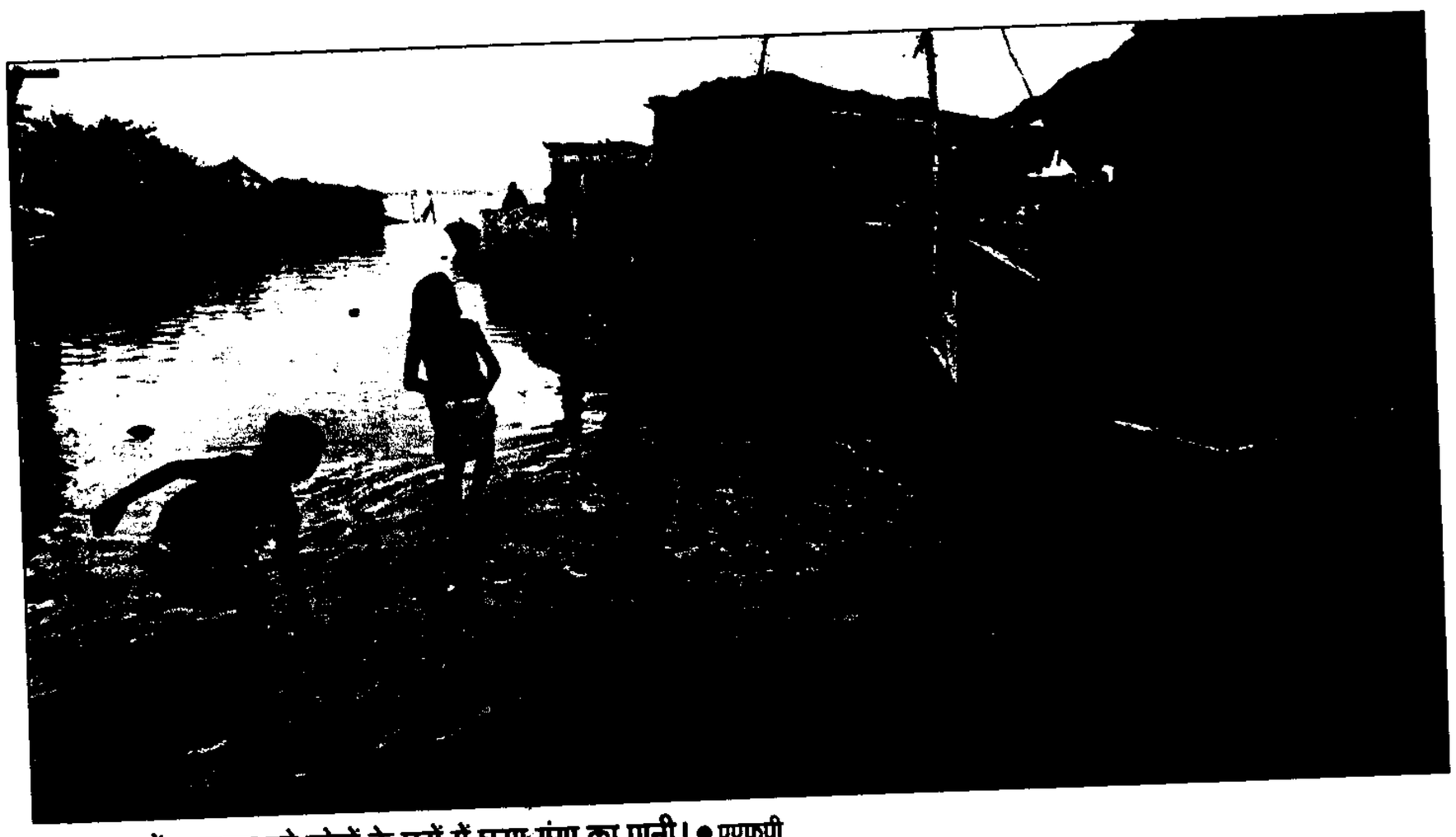

इलाहाबाद में शुक्रवार को लोगों के घरों में घुसा गंगा का पानी। • एएफपी

पिथौरागढ़ में पुल बहा, एनएच तीन घंटे बंद : कुमाऊं के कई पहाड़ी इलाकों में गुरुवार रात से बारिश से सिलसिला शुरू हो गया। भारी बारिश से शुक्रवार को मुनस्यारी क्षेत्र में गोरी नदी पर बना लकड़ी का पुल बह गया।

पूरे उत्तराखंड में आज बारिश : मौसम विभाग ने शनिवार को पूरे उत्तराखंड में बारिश होने का अनुमान जताया है। विभाग का कहना है कि जिन स्थानों पर दबाव का क्षेत्र बनेगा, वहां पर अधिक बारिश हो सकती है। वहीं राजधानी देहरादून में शनिवार दोपहर को मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार को राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश हुई।

News item/letter/article/editorial published on 17/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

। संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 17 जुलाई 2016

हथनीकुंड में यमुना नदी उफान पर

■ एनबीटी न्यूज, यमुनानगर : लगातार हो रही बारिश के चलते यमुना नदी के हथनीकुंड बैराज में जलबहाव खतरे के निशान से ऊपर चला गया है। नदी के कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश से यमुना उफान पर है। शनिवार शाम को हथनीकुंड बैराज से यमुना में दिल्ली की तरफ जाने वाले पानी की रफ्तार 87 हजार 555 क्यूसेक पानी प्रति सेकंड के हिसाब से नापी गई। यह पानी 72 घंटों के भीतर दिल्ली के निचले इलाकों के लिए मुसीबतें खड़ी कर सकता है।

आज भी आंधी के साथ बारिश!

■ **वस, नई दिल्ली** : राजधानी दिल्ली में कई इलाकों में जमकर बारिश हुई। सफदरजंग में शनिवार सुबह 43.4 मिमी दर्ज हुई। वहीं सुबह 8:30 से शाम 5:30 बजे तक 12 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने कहा कि संडे को बादल छाए रह सकते हैं। बारिश के साथ आंधी भी हो सकती है। मैक्सिमम टेंपरेचर 29 डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर 24 डिग्री रहने का अनुमान है। दिल्ली में शनिवार को सुबह कई जगहों पर जमकर बादल बरसे, जिससे बीते दिनों की तुलना में अधिकतम तापमान नॉर्मल से छह डिग्री कम के साथ 29.1 डिग्री दर्ज हुआ। मिनिमम टेंपरेचर भी नॉर्मल से तीन डिग्री कम के साथ 24.6 डिग्री दर्ज हुआ।

The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz
and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश से कई मार्ग बंद, केदारनाथ राजमार्ग पर पांचवें दिन भी आवागमन नहीं

भारी बरसात से पांच पुल बहे, तीर्थ यात्री फंसे

पिथौरागढ़ | हिन्दुस्तान टीम

पिथौरागढ़ जनपद में 24 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश से धारचूला के कुटी क्षेत्र में पांच वैली पुल बह गए। इससे आदि कैलाश यात्रा पर गए 28 सदस्यीय यात्री दल की दिक्कतें बढ़ गई हैं।

बारिश से सीमांत धारचूला के कुटी, निकूच, हेलांग, नम्फा, सैला पर बने वैली पुल बह गए हैं। इन पुलों के बहने से आदि कैलास यात्रियों के 28 सदस्यीय यात्री दल की दिक्कतें बढ़ गई हैं। इस दल में शामिल 19 पुरुष और 9 महिला सदस्यों को स्थानीय लोगों की मदद से रस्सों से नालों को पार कराया जा रहा है।

पुल बह जाने से स्थानीय लोगों के साथ ही आईटीबीपी के जवानों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारी बारिश के बाद कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग में खेत व सोबला के समीप फिर भारी मलबा आया है, जिससे 9वें यात्री दल के लोगों को यात्रा के बेस कैंप धारचूला से पहले पड़ाव सिर्खा जाने के लिए पांगला से खड़ी पांच किमी की चढ़ाई चढ़नी पड़ी।

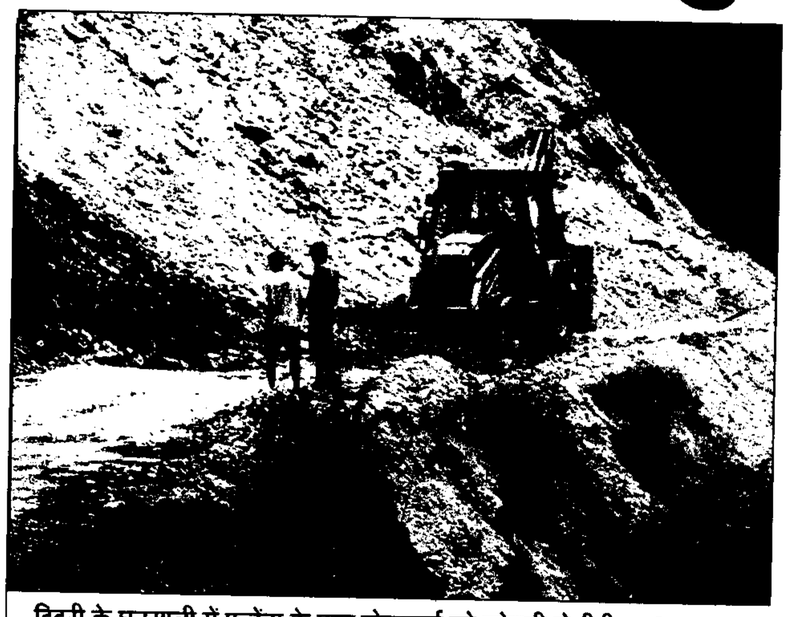

टिहरी के घनसाली में फलेंडा के पास मोटरमार्ग को खोलती जेसीबी। ● हिन्दुस्तान

गंगोत्री में जलस्तर बढ़ने भागीरथी शिला तक पहुंचा पानी। ● हिन्दुस्तान

केदारनाथ हाईवे पर पांचवें दिन भी नहीं हुई आवाजाही

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ हाईवे पर पांचवें दिन भी वाहनों की आवाजाही रुकी रही। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच एनएच हाईवे से मलबा नहीं हटा सका। लगातार हो रही बारिश के कारण एनएच और मैकाफेरी कंपनी मार्ग खोलने का काम नहीं कर सकी। पांच दिन से केदारनाथ हाईवे पर सोनप्रयाग से आगे वाहनों की आवाजाही रुकी है। यात्री लगातार पैदल चलने को मजबूर है। शनिवार को सुबह से क्षेत्र में बारिश हो रही है, जिस कारण एनएच कई बार मौके से वापस लौटा है।

गंगोत्री-गोमुख ट्रैक पर फंसे 35 यात्री निकाले

उत्तरकाशी। शुक्रवार देर रात से हो रही बारिश के कारण गंगोत्री-गोमुख ट्रैक दो स्थानों पर बंद हो गया है। इस कारण वहां पर 60 से 70 ट्रैकर और कांवड़िये फंसे बताए जा रहे हैं। दोपहर बाद तक करीब 35 ट्रैकर और कांवड़िये सुरक्षित निकाल लिए गए हैं जबकि दूसरों को निकालने का काम देर शाम तक जारी है। देवगाड़ और चीड़बासा में पुलिया बहने के कारण आवाजाही बंद हो गई हैं। पुलिस सहित गंगोत्री नेशनल पार्क और एनडीआरएफ की टीम लगातार रेसक्यू कर रही है।

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश से छह की मौत

दो दिन से हो रही मूसलाधार बारिश ने उत्तराखंड में छह लोगों की जान ले ली और पांच लोग घायल हो गए। बारिश से 182 सड़कों पर यातायात बंद हो गया। शनिवार को बड़कोट में एक छानी पर पेड़ गिरने से प्रेम सिंह राणा और जयपाल सिंह की मौत हो गई जबकि आकाश राणा घायल हो गया। उधर, हल्द्वानी में नाले में एक बस के बहने से महिला की मौत हो गई और एक यात्री घायल हो गया। श्रीकोट खंडाह गांव के पास कार के खाई में गिरने से तीन की मौत व तीन घायल हो गए।

औरंगाबाद में भारी बारिश में एक बच्चे की मौत

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले में शुक्रवार देर रात को हुई बारिश में एक बच्चे की मौत हो गई। अदरी नदी के बीचों बीच नवनिर्मित पुल जिसे पैदल पथ के रूप में इस्तेमाल किया जाना था वह बह गया।

कोसी तटबंध के अंदर के गांव जलमग्न

सुपौल। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में हुई बारिश के बाद कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। इसके कारण तटबंध के अंदर के गांव जलमग्न हो गए हैं। नदी में पानी बढ़ने के कारण सरायगढ़, किशनपुर, मरौना, सुपौल के कई गांवों में पानी फैल जाने से लोग परेशान हैं।

यूपी में कहीं भारी तो कहीं बहुत बारिश के आसार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दक्षिणी पश्चिमी मानसून सक्रिय है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि रविवार को पूर्वी उ.प्र. में भारी और पश्चिमी यूपी में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

News item/letter/article/editorial published on 8/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

गंगा के अध्ययन पर रिपोर्ट जल्द

नई दिल्ली। गंगा नदी के औषधीय गुणों और इससे जुड़े विभिन्न कारकों का पता लागने के लिए अध्ययन लगभग पूरा हो चुका है। इसकी रिपोर्ट जल्द आने की उम्मीद है। यह अध्ययन राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग शोध संस्थान (निरी) कर रहा है।

जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री उमा भारती ने रविवार को बताया कि गंगा नदी में औषधीय गुण हैं। इसकी वजह से इसे ब्रह्म द्रव्य कहा जाता है, जो इसे दूसरी नदियों से अलग करता है। यह कोई पौराणिक मान्यता का विषय नहीं है, बल्कि इसका वैज्ञानिक आधार है। उन्होंने कहा कि तीन मौसम के अध्ययन की जरूरत थी। इस बारिश के बाद निरी अपनी रिपोर्ट पेश कर देगा।

श के कारण हरिद्वार- दिल्ली राजमार्ग कई घंटे बंद रहा, गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंची

गंगोत्री हाईवे पर मलबे में दबकर चार की मौत

आफत की बारिश

हरिद्वार/ गढ़वाल | हिन्दुस्तान टीम

उत्तराखंड में रविवार को बारिश ने कहर बरपाया। नरेंद्रनगर के पास कुमारखेड़ा में गंगोत्री हाईवे का लगभग दो सौ मीटर हिस्सा भूस्खलन की चपेट में आ गया। यहां मलबे में कार दबने से चार लोगों की मौत हो गई। वहीं खतरे के निशान के नजदीक पहुंची गंगा पूरे उफान पर रही। हरिद्वार शहर जलमग्न हो गया।

हरिद्वार में रेलवे ट्रैक पांच घंटे तक बाधित रहा। हरिद्वार-दिल्ली हाईवे भी कई घंटे बंद रहा। गंगोत्री हाईवे गंगनानी के पास और बदरीनाथ हाईवे सिरोबगड़ और लामबगड़ में बंद हो गया। वहीं केदारनाथ हाईवे सोनप्रयाग से आगे बंद रहा। गंगोत्री हाईवे पर रविवार दोपहर नरेंद्रनगर के पास अचानक पहाड़ी से भूस्खलन हो गया।

मलबे के साथ बड़े-बड़े बोल्डर हाईवे पर आ गए। इस दौरान ऋषिकेश की ओर जा रही कार मलबे में दब गई। सूचना पर प्रशासन, सेना और बीआरओ की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। देर शाम तक कार से चार लोगों के शव निकाल लिए गए। इनमें ऋषिकेश के आशुतोष नगर निवासी अधिवक्ता विरेश श्रीकोटी (32), उमेश रावत, मुकेश गुसाईं शामिल हैं। गंगोत्री हाईवे पर आवाजाही ठप हो गई। मलबे में अन्य वाहनों के दबे होने की भी आशंका जताई जा रही है। लगातार बारिश से राहत और बचाव कार्य में दिक्कत में आ रही है। सड़क के दोनों वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है।

हल्द्वानी-अल्मोड़ा हाईवे बंद : कुमाऊं में चार दिन से बारिश के सिलसिले से नदियां खतरे के निशान के आसपास पहुंच गई हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में मलबा आने से 88 सड़कें बंद होने से आवागमन पर असर पड़ा है। कुमाऊं की की लाइफ लाइन कहा जाने वाला हल्द्वानी-अल्मोड़ा हाईवे बंद है।

हरिद्वार में रविवार को रेलवे ट्रैक पर मनसा देवी मंदिर की पहाड़ी से आए मलबे को हटाता बुल्डोजर। • हिन्दुस्तान

200 मीटर नरेंद्रनगर में हाईवे का हिस्सा भूस्खलन की चपेट में

32 करोड़ की लागत के बना पुल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया

बारिश के चलते बदरीनाथ और केदारनाथ हाईवे बाधित

रुद्रप्रयाग। लगातार हो रही बारिश के कारण जनपद में जन-जीवन प्रभावित हो गया है। केदारनाथ और बद्रीनाथ हाईवे पर कई स्थानों पर मलबा आने से आवाजाही बंद रही। बद्रीनाथ हाईवे पर शाम तक आवाजाही शुरू हो गई, लेकिन केदारनाथ हाईवे कई स्थानों पर बंद है। बारिश से कई ग्रामीण क्षेत्रों में खेत, रास्ते, मकान के पुश्ते ढ़हने की खबरें भी आई है। अलकनंदा और मंदाकिनी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है।

बरसात में चारधाम यात्रा की एडवायजरी

बरसात में चारधाम यात्रा रूट जगह-जगह बंद हो रहे हैं। पहाड़ियों से मलबा गिरने से हादसों की आशंका बनी है। इस स्थिति में यात्रा रूट पर चलने से पहले इस एडवायजरी पर ध्यान देना जरूरी है

1. यात्रा पर घर से चलने से पहले मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी लेना जरूरी है।
2. यात्रा रूट पर सुरक्षित स्थानों पर ठहरें।
3. बारिश के समय गाड़ी चलाते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें।
4. चलने से पहले अपने रूट की सड़कों की स्थिति जरूर जान लीजिए। रास्ता बंद होने की सूचना पर सफर नहीं करें।
5. यात्रा रूट का पूरा मैप और महत्वपूर्ण फोन नंबरों की सूची आपके पास होनी चाहिए।
6. यात्रा के समय बहुत जरूरी सामान लेकर ही चलें।
7. पैदल मार्गों पर यात्रा करते समय किसी तरह का जोखिम नहीं उठाएं। पैदल रास्तों पर पहाड़ी से पत्थर गिरने की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर जाएं।
8. रास्ते में पहाड़ी से भूस्खलन का मलबा पड़ा है तो उसको गाड़ी या पैदल पार करने का जोखिम नहीं उठाएं।
9. भूस्खलन होने के दौरान रास्ता पार नहीं करें और इस स्थान से दूर हो जाएं।
10. पहाड़ी रूटों पर जगह-जगह रपटें और गदेरे हैं, इनको सतर्कता से पार किया जाए।
11. नदियों और नालों के बहुत नजदीक नहीं जाएं।
12. जरूरत पड़ने पर रास्तों पर तैनात पुलिस और एसडीआरएफ की मदद लीजिए।

दिल्ली-हावड़ा ट्रैक सात घंटे बाधित

टूंडला। बरसात के कारण दिल्ली-हावड़ा रेलट्रैक सात घंटे बाधित रहा। टूंडला यार्ड के सभी सिग्नल फेल हो गए। इससे दिल्ली-हावड़ा रेलट्रैक से होकर गुजरने वाली सभी ट्रेन पिछले स्टेशनों एवं आउटर पर खड़ी रहीं। जहां ट्रेनों को कॉशन लगाकर संचालित किया। सुबह सात बजे सिग्नल सही किए जा सके।

दो दर्जन से अधिक ट्रेनें रहीं प्रभावित

टूंडला। बारिश के कारण दिल्ली-हावड़ा ट्रैक पर कालका मेल, महानंदा, मुरी, जोगबनी, जोधपुर-हावड़ा, राजेन्द्रनगर-नईदिल्ली राजधानी, हावड़ा राजधानी, भुवनेश्वर राजधानी, लखनऊ शताब्दी, कानपुर शताब्दी आदि ट्रेनें सात घंटे प्रभावित रहीं।

धंसा रेल ट्रैक, दादर एक्सप्रेस बची

आगरा। शनिवार रात से लगातार बारिश ने रेल यातायात को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया। कैंट स्टेशन से 15 किलोमीटर दूरी पर दिल्ली-मुम्बई ट्रैक धंस गया। यहीं से कुछ देर पहले निकलीं दादर एक्सप्रेस और पातालकोट एक्सप्रेस बाल-बाल बच गई।

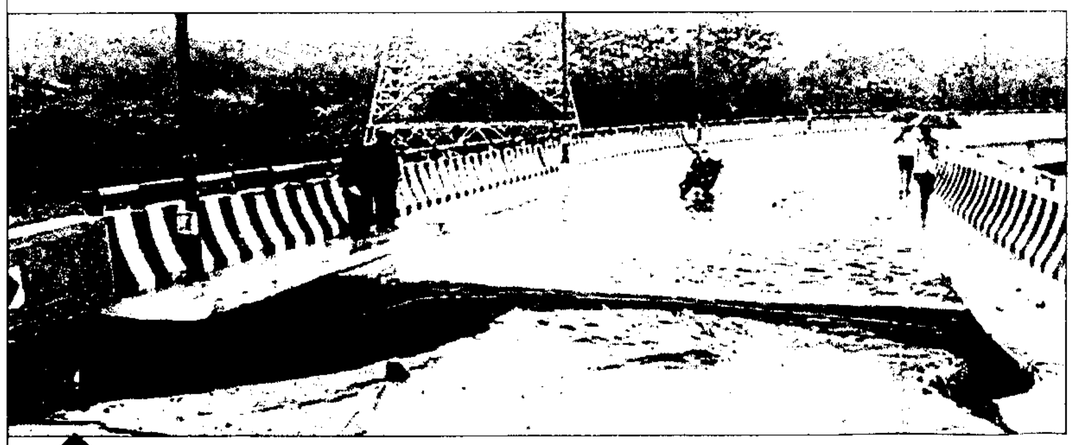

हरिद्वार के हिलबाइपास पर करीब चार माह पहले बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया।

News item/letter/article/editorial published on 18/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

लगातार बारिश से कई क्षेत्रों में फसलें खराब

18-7-16

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

सेंधवा. ब्लॉक क्षेत्र में फसलों की बोवनी हो चुकी है। लक्ष्य के अनुसार बोवनी का कार्य पूरा हो चुका है। अब खेतों में पौधों का अंकुरण भी होने लगा है। अधिकतर स्थानों पर खेतों में हरियाली छाने लगी है। अब किसान पौधों एवं फसलों को स्वस्थ बनाने की कवायद कर रहे हैं। वहीं पिछले दिनों हुई तेज बारिश से नदी एवं नालों में पानी उफान पर आ गया था। इससे कुछ क्षेत्रों में खेत जलजमग्न हो गए थे और फसलें खराब हो गईं थी। अब इन स्थानों पर दोबारा बोवनी करनी होगी। कृषि विभाग की ओर से फसलों की सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। किसानों को जरूरी सलाह के साथ-साथ कीटनाशक भी मंगाई गई हैं।

इस वर्ष मानसून का बेहतर आसार है। भरपूर बारिश के बाद खेतों में कृषि कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। इस वर्ष तय लक्ष्य 56 हजार हेक्टेयर भूभाग में कृषि कार्य किया गया है।

News item/letter/article/editorial published on 18/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

[redacted]

उपेक्षा के शिकार

जो बचाते हैं लोगों की जान, बाढ़ राहत में उनकी अनदेखी

राजघाट के नाविकों की समस्या, दूसरे लोगों की नावें की अटैच

18-7-16

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बड़वानी. राजघाट में जो नाविक पूरे साल डूबने से लोगों की जान बचाते हैं, उन्हीं की नावों को बाढ़ राहत में अटैच नहीं किया गया। जब नाविकों को मालूम पड़ा कि उनकी नावें नहीं लगाई गई तो वे हैरान रह गए। इन्होंने बताया कि पूरे साल हम बिना किसी स्वार्थ के डूबते लोगों को बचाते हैं।

जब हमें काम देने की बात आती है तो प्रशासन की ओर से कोई सुविधा नहीं मिलती है। बाढ़ राहत में यहां के नाविकों की नावें अटैच न करते हुए, अन्य स्थानों के लोगों की नावें लगा ली हैं। राजघाट के आनंद ढीवर, सुनील वर्मा, अनिल वर्मा, गजानंद केवट ने बताया कि हमनें टेंडर डाले, लेकिन हमारे नावें नहीं अटैच की गई। गजानंद केवट ने बताया कि एनवीडीए के अधिकारी जोबट नाव ले जाने का बोल रहे हैं। जब राजघाट में ही हम नावें लगाने को तैयार हैं तो हमें दूसरी जगहों पर क्यों भेजा जा रहा है।

रोष...बड़वानी। उपेक्षा के शिकार नाविक नाराजगी जताते हुए।

उपेक्षित महसूस कर रहे हैं नाविक

राजघाट में रहने वाले नाविक उनकी नावें अटैच नहीं होने से खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। इनका कहना है कि जब प्रशासन को जरुरत होती है तो हम अपनी जान पर खेलकर मदद करते हैं। प्रशासन का काम निकल जाने के बाद हमारी कोई सुनने को तैयार नहीं रहता है। हम हमारी मेहनत से काम करके कमाना चाहते हैं तो उसमें भी हमारे साथ भेदभाव हो रहा है। इनका कहना है कि बाढ़ के दौरान हम हमेशा सक्रिय रहकर काम करते हैं। जिम्मेदार हमारी ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

और नावें अटैच करेंगे

वहां रहने वाले एक व्यक्ति की नाव लगाई है। अभी तीन नावें अटैच की है। आगे जरुरत पढ़ेगी तो वहां के निवासियों की और नावें भी हम अटैच करेंगे।

शिवचरण सविता, एसडीओ एनवीडीए बड़वानी

दो दिन पहले ही बचाई थी दो की जान

इन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व ही हमनें दो डूबते लोगों की जान बचाई है। राजघाट में लगी बड़ी नाव लगी है, लेकिन वो खुली ही नहीं। ऐसे में हम छोटी नाव लेकर डूबते लोगों को बचाने पहुंचे। उन दोनों डूबते लोगों को हमने सकुशल बाहर निकाला। यहां लोगों की जान की सुरक्षा के लिए हम कभी समय नहीं देखते हैं। उसके बाद भी एनवीडीए के अधिकारी हमें काम नहीं दे रहे।

News item/letter/article/editorial published on 18/7/16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

लापरवाही...

पत्रिका - 18-7-16

मानसून मेहरबान, आपदा प्रबंधन की तैयारी नहीं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

-मानसून के दौरान हर विभाग को करनी होती है आपदा प्रबंधन की तैयारी

अलवर. पिछले कई दिनों पूर्वी राजस्थान में मानसून के मेहरबान होने एवं भारी वर्षा से धौलपुर में बाढ़ के हालात एवं भरतपुर में बांध व नदियां लबालब होने से वहां भी ऐसे ही हालात बनने लगे है, ऐसे में हमारे अपने जिले अलवर में आपदा प्रबंधन के नाम पर सिर्फ कागजी आदेश ही दिखाई पड़ते है। हालांकि मानसून के दौरान सिंचाई सहित सभी प्रमुख विभागों को आपदा प्रबंधन के समय रहते इंतजाम करने होते है, लेकिन जिले में हालात यह है कि यहां बाढ़ से बचाव के लिए सिंचाई विभाग एवं मत्स्य विभाग के पास एक नाव तक उपलब्ध नहीं है। अलवर शहर में अब तक 368 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है जबकि जिले में ज्यादातर स्थानों पर यह आंकड़ा 250 मिमी को पार कर चुका है। हालात यह है कि कभी रूपारेल पर तो कभी भर्तृहरि पुलिया पर पानी बहने लगता है। सिलीसेढ़, जयसमंद, देवती सहित अन्य बांधों में पानी की आवक भी हो रही है। इसके बावजूद जिले में बाढ़ से बचाव एवं आपदा प्रबंधन के नाम पर मात्र सिंचाई विभाग का एकमात्र कंट्रोल रूम है। यह भी प्रतिदिन के बारिश व बांधों में पानी की आवक के आंकड़े मुहैया कराने तक सीमित है।

जिले में बाढ़ से बचाव को एक नाव भी नहीं

जिले में भारी बारिश होने की स्थिति में यहां बाढ़ से बचाव के लिए एक नाव तक का इंतजाम नहीं है। न तो सिंचाई विभाग और न ही मत्स्य विभाग के पास नाव की व्यवस्था है और गोताखोर भी ठेके के हैं। प्रशासन का दावा है कि जरूरत पड़ने पर ठेकेदार के माध्यम से नाव व गोताखोर की व्यवस्था करा ली जाएगी। इसके अलावा सिंचाई विभाग बांध आदि टूटने की स्थिति से निबटने के लिए मिट्टी से भरे 4 हजार कट्टे सहित 10 हजार खाली कट्टे बांधों पर रखवाने का दावा करता है। यह बात अलग है कि प्रशासन आपदा प्रबंधन की तैयारियों मानसून से करीब चार महीने पहले से शुरू कर देता है। इसके लिए बैठकें कर विभिन्न प्रकार के निर्देश जारी किए जाते है।

बांधों की निगरानी का टोटा

सिंचाई विभाग के अधिकारी बाढ़ से निपटने की बात तो कहते है, लेकिन हकीकत यह है कि विभाग के पास अपने बांधों की निगरानी के लिए भी पर्याप्त कर्मचारी नहीं है। जिले में सिंचाई विभाग के 25 बांध है। इनकी सुरक्षा एवं निगरानी का जिम्मा चंद लोगों के पास है। स्थिति यह है कि विभाग सभी बांधों में पानी के आवक आदि की जानकारी भी नहीं ले पा रहा है। ऐसे में बाढ़ से निपटने की बात बेमानी साबित हो रही है।

अभी अलवर में बाढ़ जैसे हालात नहीं हैं। फिर भी हमने एहतियातन सभी बांधों पर भरे व खाली कट्टे आवश्कतानुसार रखवा दिए हैं। इसके बाद भी यदि जरूरत पड़ेगी, कट्टे आदि पहुंचा दिए जाएंगे।

बीरवल मीरवाल, फ्लड इंचार्ज, सिंचाई विभाग अलवर।

400 कट्टे भराए

चार सौ कट्टे मिट्टी से भराकर नेहरू गार्डन में रखवाए है। दो पानी निकालने के इंजन है। दो दिन से बारिश के बाद शहर में पानी भरने की शिकायतें मिली हैं। जिसके बाद वहां पानी की निकासी कराई है।

तैयब खान, एक्सईएन, यूआईटी, अलवर

News item/letter/article/editorial published on 17/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

पत्रिका

बारिश बनी परेशानी

17-7-16

बारदा डैम में दरार, अलर्ट जारी

एसडीएम, विधायक मौके पर पहुंचे, बांध के गेट खोले, गांव भी खाली कराए

सतर्कता... बांध में दरार की सूचना पर मौके पर पहुंचा अमला।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

विजयपुर/श्योपुर. विजयपुर में बेनीपुरा के निकट सिंचाई के लिए बने बारदा डैम में शनिवार की शाम दरार आ गई, जिससे पानी रिसने लगा और बेनीपुरा के निकट एक अदिवासी बस्ती में पानी भर गया। सूचना मिलते ही एसडीएम एनआर गौड़, विधायक रामनिवास रावत और पूर्व विधायक बाबूलाल मेवरा पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद दबाव कम करने के लिए डैम के गेट खोल दिए और पानी नदी में छोड़ना शुरू कर दिया। साथ ही आसपास के गांवों में अलर्ट जारी करते हुए कुछ गांव खाली कराना शुरू कर दिए गए हैं। बारदा डैम से बेनीपुरा सहित 15 गांवों को सिंचाई की सुविधा मिलती है। पिछले 24 घंटे से हो रही बारिश से डैम भर गया, शनिवार शाम डैम की कच्ची पाल में दरार आ गई। शुरूआत में दरार छोटी थी, लेकिन देखते ही देखते बड़ा छेद हो गया, जिससे ज्यादा पानी निकलने लगा और बेनीपुरा की आदिवासी बस्ती नथोलीपुरा सहराने में पानी भर गया। मौके पर पहुंचे अफसरों ने डैम के गेट खुलवाए, ताकि दबाव कम हो। दरार पर दबाव कम हो और बांध फूटे नहीं।

दरारों को दुरुस्त किया जाएगा

डैम की पाल में दरार पड़ गई है,इसके लिए गेट खुलवाकर पानी नदी में छोड़ा जा रहा है और आसपास की बस्तियों को खाली कराकर सुरक्षित स्थान पर भेजने की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही पानी कम होने पर दरारों को भी दुरुस्त करवाया जाएगा।

-एनआर गौड़, एसडीएम, विजयपुर

News item/letter/article/editorial published on 17/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

बारां जिले के सारथल क्षेत्र में शुक्रवार को परवन नदी में नाव में बैठकर पार होते ग्रामीण। पत्रिका

खतरे में जान... पत्रिका-17-7-16

उफनती नदी में खस्ताहाल नावें

बना रहता है दुर्घटना का अंदेशा

सारथल. क्षेत्र के कालाडोल गांव में बह रही परवन नदी इन दिनों उफान पर है। इससे हरनावदाशाहजी, छीपाबड़ौद, सारथल सड़क मार्ग का संपर्क अकलेरा-झालावाड़-से कटा हुआ है। ऐसे में कोटा जाने वाले यात्री बारां वाया छीपाबड़ौद आ जा रहे है।

उधर, नदी की पुलिया पर पानी का बहाव होने से नाव संचालकों की चांदी हो रही है। नदी में इन दिनों करीब आठ से दस अवैध रूप से नावों का संचालन हो रहा है। नाव संचालक खस्ताहाल नावों में क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। इसके बाद भी इन्हें रोका-टोका नहीं जा रहा। इससे हर समय खतरे की आशंका बनी रहती है। नाविक नदी पार कराने की एवज में प्रति व्यक्ति 60-70 रुपए तक किराए के रूप में वसूल कर रहे हैं। हालांकि परवन नदी की पुलिया पर अवैध नावों का संचालन रोकने के लिए दो होमगार्ड को तैनात किया हुआ है। इसके बाद भी नावों का संचालन बदस्तूर जारी है।

बीच नदी में बढ़ जाता है किराया

नावों से नदी पार करने वाले लोगों का आरोप हैं कि नाविक पहले तो कम किराया राशि बताकर बिठा लेते हैं। इसके बाद जब नाव मझधार में होती है तो मनमाना किराया मांगने लगते हैं। नाव से नदी पार कराने का किराया पानी की आवक के साथ घटता-बढ़ता रहता है जब नदी उफान पर होती है तो किराया भी अधिक होता है।

क्षतिग्रस्त हुई परवन की पुलिया

सारथल-अकलेरा नेशनल हाई-वे मार्ग पर कालाडोल गांव के पास स्थित परवन नदी की पुलिया पानी के बहाव से क्षतिग्रस्त हो गई। बारां-अकलेरा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही छठें दिन भी बंद रही। शुक्रवार को पुलिया पर करीब एक फीट पानी का बहाव था। क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से यहां नई पुलिया बनाने की मांग की हैं।

हर वर्ष संचालन

परवन नदी में पुलिया पर पानी आने के बाद गांवों के रास्ते अवरूद्ध हो जाते हैं। इसके बाद हर वर्ष इन दिनों नावों का संचालन किया जाता है। नावों की हालत खस्ताहाल होने के बावजूद बेफिक्री रहती है।

News item/letter/article/editorial published on 17/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

पत्रिका-17-7-16

मातृकुण्डिया बांध का जल स्तर 19 फीट

भराई तालाब की पाल टूटी, पानी माताजी का खेड़ा पहुंचा

रेलमगरा (राजसमंद). उपखण्ड क्षेत्र के सबसे बड़े जल स्त्रोतों में गिने जाने वाले भराई तालाब की गत वर्ष टूटी पाल की मरम्मत नहीं कराने से अब कई समस्याएं सामने आने लगी है। सत्रह फीट भराव क्षमता वाले इस तालाब में हाल ही में हुई बारिश से 13 फीट तक पानी भर गया है, लेकिन इसके बाद भी तालाब में पानी की निरंतर है पर टूटी हुई पाल से पानी निकलना शुरू हो गया है। इसके चलते ग्रामीणों ने तालाब के गेट खोल दिए। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब में हो रही पानी की आवक से पानी टूटी हुई पाल से बाहर निकलना शुरू हो गया और समय रहते गेट नहीं खोले जाते तो तालाब की पाल पानी के बहाव से पूरी तरह से टूट सकती थी और इसका पानी रेलमगरा में तबाही मचा सकता है। गेट खोलने के बाद तालाब का पानी मेहन्दूरिया के तालाब में होते हुए माताजी का खेड़ा तालाब में पहुंच रहा है। साथ ही ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि टूटी पाल को दुरस्त कराने के लिए कई बार अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। दूसरी ओर क्षेत्र के सबसे बड़े सांसेरा तालाब में पानी की निरंतर आवक होने से तालाब का जल स्तर 0.8 से बढ़कर 2 फीट हो गया है। तीन दिन पूर्व हुई 14 इंच बारिश के बाद क्षेत्र के केचमेन्ट एरिया से बहकर निकल रहे पानी से मातृकुण्डिया बांध का जल स्तर 19 फीट पहुंच गया है। इस बांध की कुल भराव क्षमता करीब 23 फीट है।

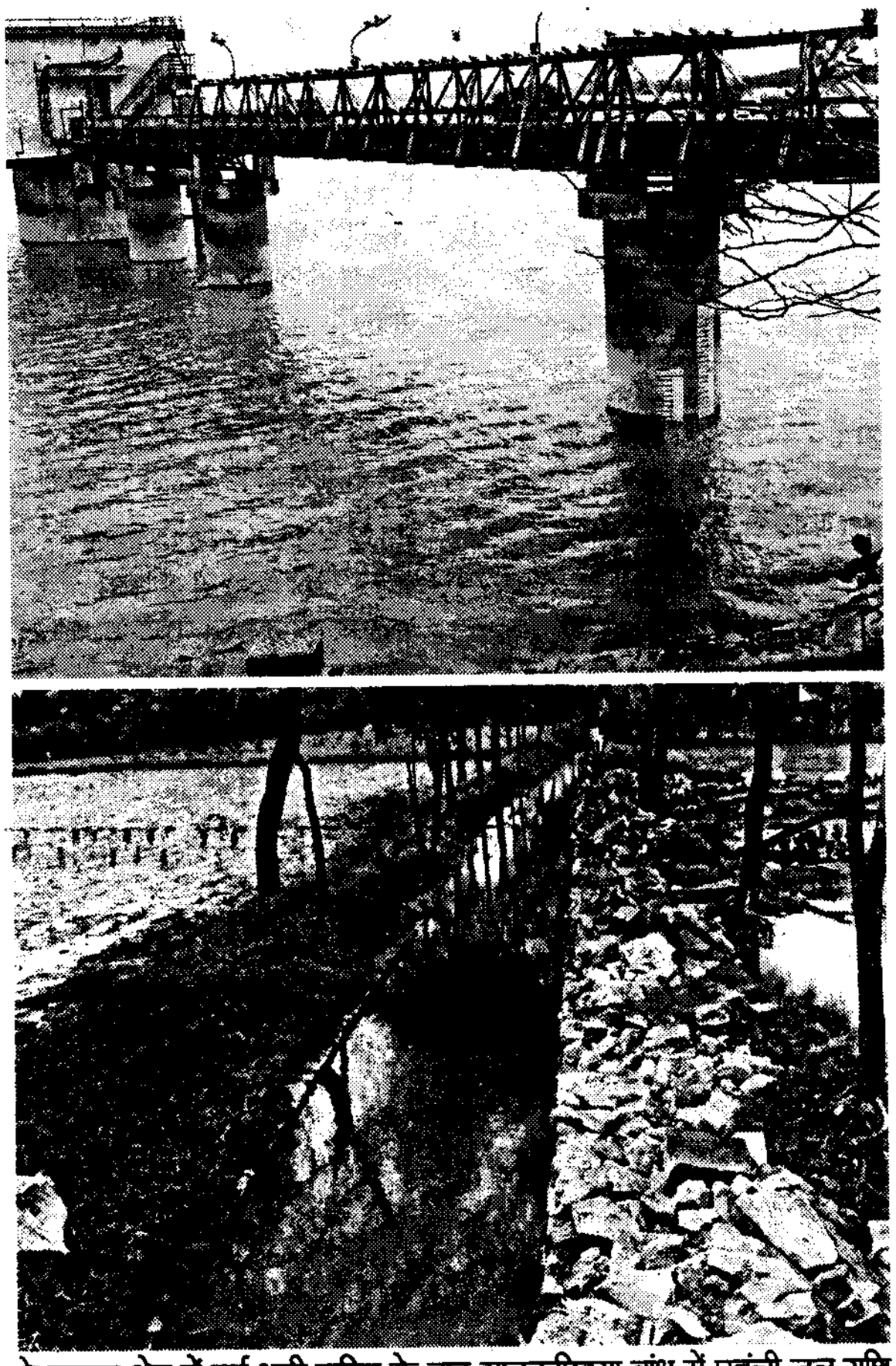

रेलमगरा क्षेत्र में हुई भारी बारिश के बाद मातृकुण्डिया बांध में पहुंची जल राशि तथा एनिकट में रिसाव होने के कारण क्षतिग्रस्त हुए फीडर। रेलमगरा

नदी नालों में बहे मवेशियों से चारों ओर फैल रही दुर्गंध

क्षेत्र में तीन दिन पूर्व हुई भारी बारिश से बिगड़े हालात अब क्षेत्रवासियों के लिए परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। इसके बावजूद खेतों में चौपट हुई फसलों को लेकर चिन्ता के बीच पानी के तेज बहाव की चपेट में आई खेतों की बाड़ को सुधारते हुए एक बार फिर से खेतों को तैयार करने में जुट गए हैं। वहीं, पानी के तेज बहाव के साथ बहे पशुओं के मृत शरीर यत्र-तत्र नदी, नालों, खेतों की पालियों पर पड़े हुए है, जिनसे उठने वाली बदबू से लोगों को खासी दिक्कत हो रही है। साथ ही खेतों, गड्ढों में भरा भी लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। भारी बारिश के कारण क्षेत्र में करीब एक दर्जन जल स्त्रोत की पाल क्षतिग्रस्त हो गई है।

News item/letter/article/editorial published on 17/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

राजस्थान में मूसलाधार बारिश

17-7-16

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

जयपुर. प्रदेश भर में भारी बारिश का दौर शनिवार को बरकरार रहा। करौली में 15 घंटे के दौरान 15 इंच यानि करीब 375 मिमी पानी बरसा। जो 1981 के बाद अब तक रिकॉर्ड है। दो दिन पहले राजसमंद के रेलमगरा में 14 इंच बारिश दर्ज की गई थी। पूर्वी राजस्थान में राजधानी जयपुर सहित अधिकांश इलाकों में भारी बारिश हुई।

अलर्ट
प्रशासन को आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश।

पूर्वानुमान
24 घंटों में जयपुर व पूर्वी प्रदेश में भारी वर्षा की चेतावनी।

...और इधर पथराव

अलवर जिले के गांव कोठी खेड़ा में शनिवार सुबह वर्षा के पानी को लेकर दो पक्षों के लोगों में हुई कहासुनी ने पथराव का रूप ले लिया। इसमें दोनों पक्षों के करीब 12 लोगों को चोटें आई। पुलिस मौके पर पहुंची और करीब दो दर्जन लोगों को हिरासत में लिया।

लबालब

राहुवास बांध पर 3 इंच की चादर

लवाण इलाके में कई एनीकट टूटे

पांचना बांध के छह गेट खोले

सूरवाल बांध में 7, मोरसागर में 7.10 फीट, गिलाई सागर 7, मानसरोवर 11 फीट, पाचोलास में 6.9 फीट, देवपुरा में 3 फीट 9 इंच पानी आया।

24 घंटे में इतनी बारिश

जयपुर	46.8
सवाई माधोपुर	233
गंगापुर सिटी	253
राहुवास बांध	270
नांगल राजावतान	242
लालसोट	168
लवाण	162